बर्षः- 05
अंकः- 312
मुरादाबाद
(Sunday)
08 March 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

CM योगी का सपा पर निशाना, बोले- पहले वन डिस्ट्रिक्ट - वन माफिया, अब वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिना नाम लिए सपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले %वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया% की व्यवस्था थी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार %वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज% बनाकर प्रदेश में विकास और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं दे रही है।आगरा में शनिवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। खेरिया एयरपोर्ट पर जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट से वह होटल अमर पहुंचे, जहां भाजपा और संघ पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति पर चर्चा हुई। इसके बाद मुख्यमंत्री सिकंदरा क्षेत्र में स्थित यथार्थ हॉस्पिटल का लोकार्पण करने पहुंचे।यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ ने सपा सरकार का नाम लिए बिना ही हमला बोला। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार में वन डिस्ट्रिक वन माफिया योजना चलती थी। हमारी सरकार वन डिस्ट्रिक वन मेडिकल कॉलेज बना रही है। उन्होंने कहा कि उनका इसमें कोई दोष नहीं है, जिसकी जैसी विचारधारा होती है, वह वही कार्य करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हाईवे, सड़क मेडिकल कॉलेज समेत सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

चीन की औद्योगिक ताकत से कैसे मुकाबला करेगा भारत?: राहुल बोले- पड़ोसी देश की प्रणाली बेजोड़, लेकिन अलोकतांत्रिक

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि चीन ने दुनिया में एक बेहतरीन और बेजोड़ औद्योगिक प्रणाली बनाई है। लेकिन, पड़ोसी देश की व्यवस्था दबाव डालने वाली और अलोकतांत्रिक है। यह बात उन्होंने तिरुवनंतपुरम में आईटी पेशेवरों से बातचीत के दौरान कही। राहुल गांधी टेक्नोपार्क में आईटी क्षेत्र से जुड़े लोगों से संवाद कर रहे थे। इस दौरान सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, चीन ने औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। जबकि अमेरिका, भारत और दुनिया के कई देश केवल खपत (कंजम्प्शन) ही कर रहे हैं। उन्होंने कहा, असली रोजगार औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र में होता है, न केवल खपत में। कांग्रेस नेता ने कहा, निराश करने वाली बात यह है कि भारत ने चीन को औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र पर पूरी तरह कब्जा करने दिया। खड़ी की है, जिसका मुकाबला दुनिया में कोई नहीं कर सकता। भारत को चीन की दबाव वाली व्यवस्था पसंद नहीं है। वहां (चीन) लोकतंत्र नहीं है। उन्होंने आगे कहा, अगर भारत अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखते हुए मजबूत औद्योगिक उत्पादन प्रणाली खड़ी कर लेता है, तो यह भारत और दुनिया के लिए बहुत बड़ी सेवा होगी।राहुल गांधी ने एक और चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आजकल सैन्य ताकत तेजी से इलेक्ट्रिक मोटर और बैटरी की तकनीक ओर बढ़ रही है।

सरकार-संगठन की समीक्षा के साथ भाजपा का चुनावी शंखनाद, जनसभा के लिए हरिद्वार चुनना

सरकार-संगठन की समीक्षा के साथ भाजपा ने चुनावी शंखनाद कर दिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने आज हरिद्वार में जनसभा को संबोधित किया। जनसभा के लिए हरिद्वार को चुनने के कुछ खास कारण हैं।भारतीय जनता पार्टी ने राज्य के द्वार से चुनावी मोड में प्रवेश कर दिया है। गृह मंत्री अमित शाह की जनसभा के लिए हरिद्वार को चुनने का कारण इसलिए भी है क्योंकि इस जिले में कांग्रेस, बसपा को हर चुनाव में जीत मिलती रही है। पार्टी ने यहां से चुनावी शंखनाद कर मिशन 2027 के लिए मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाने की तैयारी की है।लगातार नौ साल से सरकार चला रही भाजपा तीसरी जीत को सुनिश्चित करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती। लगातार दो सरकार के बाद सत्ता विरोधी सुरों से विपक्षी कांग्रेस अपनी तान न छेड़ दे, इसलिए पहले ही भाजपा ने बड़ा प्लान तैयार कर लिया है। इसी कड़ी में आज सात मार्च को भाजपा के चाणक्य कहे जाने वाले गृह मंत्री अमित शाह की बड़ी जनसभा से शुरुआत की गई है।यह दौरा ऐसे समय में हुआ, जब धामी सरकार अपने सफल चार साल पूरे करने का जश्न मना रही है। एक ओर केंद्र सरकार के तीन नए कानूनों को जनता के समक्ष सुविधा के तौर पर पेश किया जाएगा तो वहीं धामी सरकार के यूसीसी, सख्त धर्मांतरण कानून, नकलरोधी कानून, अल्पसंख्यक कानून, दंगारोधी कानूनों से मतदाताओं के बीच पैठ मजबूत करने की कोशिश की जाएगी। मकसद यह संदेश देना कि कितनी ही अड़चने आएं लेकिन डबल इंजन की ताकत के सामने सब छोटी हैं।

हरिद्वार से शंखनाद के ये तीन अहम कारण-2022 की कसक = पिछले विधानसभा चुनाव में हरिद्वार जिले की 11 सीटों में से भाजपा मात्र तीन सीटें (हरिद्वार, भेल रानीपुर, रुड़की) ही भाजपा के खाते में आई थीं। बाकी सीटें कांग्रेस, बसपा और निर्दलीय के खाते में गई थीं। शाह का यह दौरा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरके इस गढ़ को वापस पाने की कवायद है।

हिंदुत्व का केंद्र = हरिद्वार से निकलने वाला संदेश पूरे राज्य और देश की धार्मिक-सांस्कृतिक चेतना को प्रभावित करता है।

मैदानी समीकरण = उत्तराखंड की सत्ता की राह हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जैसे मैदानी जिलों से होकर गुजरती है। इन जिलों में कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों को लगातार अच्छी सीटें मिलती रही हैं। लिहाजा, यहां पकड़ मजबूत करना भाजपा की प्राथमिकता है।जनसभा के बाद बनेगी मिशन 2027 की रणनीति- गृह मंत्री शाह की जनसभा के बाद एक निजी होटल में भाजपा की टोली बैठक होगी। पार्टी के अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने बताया कि टोली बैठक में कोर ग्रुप के 14 सदस्य मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, महामंत्री संगठन अजय कुमार, निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, पांच लोकसभा, दो राज्यसभा सांसद, कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, धन सिंह रावत के अलावा नौ अन्य प्रदेश महामंत्री दीप्ति रावत, कुंदन परिहार, तरुण बंसल, पूर्व सीएम विजय बहुगुणा, तीरथ सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, रेखा आर्य, गणेश जोशी, सौरभ बहुगुणा शामिल होंगे। माना जा रहा है कि शाह तीसरी लगातार जीत को पुख्ता करने के सूत्र बताएंगे।

अखिलेश यादव बोले, हम मायावती और नीतीश कुमार को बनाना चाहते थे प्रधानमंत्री

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि हम मायावती और नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बनाने के पक्ष में थे। वहीं, गैस के दामों को लेकर भी उन्होंने भाजपा पर हमला बोला।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्यसभा भेजे जाने को लेकर कहा कि जब 2024 में इंडिया गठबंधन बना था तो हम लोग उन्हें प्रधानमंत्री बनाना चाहते थे।

इसी तरह जब 2019 में सपा-बसपा का गठबंधन हुआ था तो हम मायावती को प्रधानमंत्री बनाना चाहते थे लेकिन लगता है कि भाजपा नीतीश जी को राज्यसभा सदस्य के रूप में ही रिटायर करना चाहती है।अखिलेश यादव शनिवार को सपा मुख्यालय लखनऊ में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने चुनाव आयोग पर भी निशाना साधा और कहा कि चुनाव आयोग झूठ बोलता है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग सपा का फर्जी वीडियो चलवा रहे हैं। हम उन पर मुकदमा करेंगे।प्रदेश में गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाने को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई बढ़ा रही है। सुबह देखा कि गैस के दाम बढ़ा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जब जाएंगे भाजपाई, तब घटेगी महंगाई। उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि आज भारत की विदेश नीति विदेशी तय कर रहे हैं जबकि देश की विदेश नीति हमारी सरकार को ही तय करनी चाहिए पर ऐसा नहीं हो रहा है। इस मौके पर कई नेता समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

सीएम ममता बनर्जी की हुंकारः धरने के दूसरे दिन कहा- दिल्ली की सरकार दया पर टिकी, ज्यादा दबाव डाला तो गिरा दूंगी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने धरना कार्यक्रम के दूसरे दिन केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर ज्यादा दबाव बनाया गया तो वह दिल्ली की सरकार भी गिरा सकती हैं। उन्होंने कहा, मैं जानती हूं चंद्रबाबू नायडू की दया पर तुम्हारी सरकार बनी हुई है। लोकतंत्र की रक्षा करना भी जानते हैं%- कोलकाता में जारी धरना मंच से मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा को सावधान रहना चाहिए, क्योंकि बंगाल की जनता को कमजोर समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वोट काटकर बंगाल को बांटने की कोशिश पहले भी की गई, लेकिन यह सफल नहीं हो सकी। बंगाल लड़ना जानता है और यहां के लोग लोकतंत्र की रक्षा करना भी जानते हैं। दिल्ली की सत्ता को भी चुनौती देने से पीछे नहीं%- ममता बनर्जी ने केंद्र की गठबंधन राजनीति पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि दिल्ली की मौजूदा सरकार सहयोगी दलों के सहारे टिकी हुई है। उन्होंने चंद्रबाबू नायडू का नाम लेते हुअ कहा, कुछ लोग दूसरों की दया पर टिके हुए हैं, और यदि स्थिति ज्यादा बिगड़ी तो वह दिल्ली की सत्ता को भी चुनौती देने से पीछे नहीं हटेंगी। राज्यपाल को क्यों हटाया गया?- मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के मुद्दे को लेकर भी संकेतात्मक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि वह सब कुछ जानती हैं कि राज्यपाल को क्यों हटाया गया, लेकिन फिलहाल इस पर ज्यादा कुछ नहीं कहेंगी। इतना जरूर कहा कि राज्यपाल को धमकी दी गई थी।गैस की बढ़ती कीमतों के खिलाफ विरोध-धरना मंच से मुख्यमंत्री ने महंगाई और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि आगामी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर वे काली साड़ी पहनकर और बर्तनों के साथ सड़कों पर उतरें तथा गैस की बढ़ती कीमतों के खिलाफ विरोध दर्ज कराएं। लोगों पर महंगाई का बोझ बढ़ रहा है और केंद्र सरकार इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा बंगाल में राजनीतिक फायदा उठाने के लिए माहौल को बांटने की कोशिश कर रही है, लेकिन राज्य की जनता इसे सफल नहीं होने देगी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने का प्रस्तावरू 118 सांसदों ने किया समर्थन

कांग्रेस ने कहा है कि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पद से हटाने के लिए विपक्ष का प्रस्ताव नियमों के तहत है और इस पर बहस होनी चाहिए। विपक्ष ने स्पीकर पर पक्षपात करने का आरोप लगाया है।संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू हो रहा है। माना जा रहा है कि लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला को हटाने के विपक्ष के प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है। विपक्ष ने उन पर आरोप लगाया है कि उन्होंने खुले तौर पर पक्षपातपूर्ण तरीके से काम किया है। कांग्रेस ने कहा है कि यह प्रस्ताव नियमों और परंपराओं के अनुसार है। 118 विपक्षी सांसदों ने दिया नोटिस- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर बाकी सभी विपक्षी दलों ने स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि इस पर 9 मार्च को चर्चा होगी। जयराम रमेश ने यह भी बताया कि इस नोटिस पर 118 विपक्षी सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं।जयराम रमेश ने कहा, यह एक स्वस्थ और लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। हमने जो प्रस्ताव दिया है, वह नियमों और परंपराओं के मुताबिक है। इससे पहले भी ऐसा हो चुका है। उदाहरण के लिए, 1954 में

महान स्पीकर जी वी मावलंकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। कांग्रेस ने कहा= प्रस्ताव पर बहस होनी चाहिए- कांग्रेस नेता ने आगे कहा, ये संसदीय लोकतंत्र के साधन हैं। विपक्ष को इसका पूरा अधिकार है। इस पर बहस होगी, देखते हैं उसके बाद क्या होता है। उन्होंने यह भी कहा कि हमने स्पीकर के पक्षपातपूर्ण व्यवहार के खास उदाहरण दिए हैं, जबकि विपक्षी सदस्यों पर झूठे आरोप लगाए गए। हमने पूरा संदर्भ बताया है और इस पर बहस होनी चाहिए।क्या है स्पीकर को हटाने की प्रक्रिया- अगले सोमवार को लोकसभा में ओम बिरला के खिलाफ प्रस्ताव पर चर्चा होगी। इस दौरान वह अध्यक्ष की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे। वह सदस्यों के बीच बैठेंगे। नियमों के अनुसार, बिरला को सदन में अपनी बात रखने और अपना बचाव करने का पूरा अधिकार होगा। वह प्रस्ताव के खिलाफ वोट भी दे सकते हैं। संविधान विशेषज्ञ पी डी टी आचार्य के अनुसार, जब प्रस्ताव पर चर्चा होगी तो बिरला सदन की कार्यवाही का संचालन नहीं करेंगे। वह सत्ता पक्ष की सीटों पर बैठेंगे। असल में, जिस दिन यह नोटिस दिया गया था, उसी दिन से बिरला ने सदन की अध्यक्षता करना बंद कर दिया था। क्यों दिया गया नोटिस?- लगभग 118 विपक्षी सदस्यों ने यह नोटिस दिया है। उनका आरोप है कि स्पीकर ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने की अनुमति नहीं दी। इसके अलावा, आठ विपक्षी सांसदों को निलंबित भी कर दिया गया था।

संपादकीय Editorial

Trump Trapped in War

US President Trump claimed that Iran was about to attack the United States, and therefore, we attacked and crushed it. Iran's navy and air force have been virtually destroyed. Meanwhile, the US War Department, the Pentagon, has briefed a parliamentary committee that it is unaware of any intelligence leads suggesting Iran had plans to attack the United States. This is no ordinary contradiction. One side is telling blatant lies, and Trump is a known liar. This is evident from the cover story of Time magazine. However, now US Defense Secretary Pete Hegseth has even revealed that Iran wanted to assassinate President Trump, but we killed their brutal, dictatorial leader, Khamenei. The Defense Minister also claims that the US will occupy Iranian skies within a week. However, defense experts and renowned diplomats predict that this will not happen. In reality, President Trump has been embroiled in the Iran war, provoked by Israel. Now, even if he wishes, he cannot withdraw from the conflict. Its fundamental argument is that despite the assassination of Supreme Leader Ayatollah Khamenei, Iran is still fighting tooth and nail. It is determined to avenge Khamenei's murder. There is currently no rebellion in Iran. However, there are certainly calls to teach America and Israel a lesson. Indeed, the death toll in Iran has reached 1,145. This is a horrifying and terrifying figure, and it continues to rise. Forty-eight of Iran's top leaders and military commanders have been killed. More than 1,200 missiles have been launched against 24 of Iran's provinces. 504 locations in 153 Iranian cities have been bombed. Approximately 20 warships and 14 fighter jets have been destroyed. Ruined buildings and debris can be seen all around Iran, but Iranian missiles and drones have wreaked havoc on 27 US bases in Arab countries. The world sees the fireballs and thick clouds of smoke. In Israel, dozens of buildings have been destroyed in cities like Jerusalem and the capital, Tel Aviv. Missiles are also being fired at residential areas, and cries can be heard. Iran has twice attacked Saudi Arabia's Aramco refinery, the world's largest, crippling it. It used to refine 3 million barrels of oil daily, but production has now been halted. Iran has also launched missile and drone attacks in Cyprus and Turkey. Thousands of Iran's ballistic and cruise missiles remain hidden under bunkers. Six to seven units are still in production. Iran can only make a nuclear bomb with 20% enriched uranium, but it possesses approximately 469 kg of enriched uranium. Indeed, it is capable of producing 10 to 12 nuclear bombs. The Russian Foreign Minister's statement also indicates that Iran is being pressured to develop nuclear bombs. One estimate suggests that this war could cost the United States up to ?19 lakh crore. Crude oil prices have already surged to $85 per barrel. It won't take long for them to reach $100, potentially resulting in losses of $50-210 billion. However, it will take longer for oil prices to reach $147. When Iran tested the Shahab-3 missile in July 2008, with a claimed range of 2,000 km, oil prices surged to $147. However, India should not be alarmed, as it imports oil from 41 countries. There are numerous routes besides the Strait of Hormuz through which India can import oil.

A New War, Escalating Tensions in the Middle East

The US and Israel attacked Iran, and in response, Iran targeted Israeli and American bases. Lebanon's Hezbollah and Yemen's Houthis

have also joined in. and Iran retaliated. involved, Challenges for concerns. The way cornering Iran suggest its goal was nuclear program the midst of these on Iran with begun targeting bases in West Asia. Houthis have an intensification of Iran. This will not world, which is mutual discord, could pose a is all the more so appealed to the

The US and Israel attacked Iran, Hezbollah and Houthis are increasing instability in West Asia. India: oil and civilian safety the US has been warning and over the past few days seemed to to force Iran to abandon its through negotiations. However, in negotiations, it launched an attack Israel. In response, Iran has Israeli and American military Lebanon's Hezbollah and Yemen's joined in. This will only result in Israeli and American attacks on only further destabilize the Arab already undergoing a period of but also increase oil prices. This serious threat to world peace. This because the US President has Iranian people to overthrow their

government, stating that the US will not stop until the goal is achieved. Trump's goal is not only to destroy Iran's nuclear weapons production system but also to effect a regime change there. This is why the attacks on the residence of Iran's Supreme Leader Khamenei were also carried out. This conflict has erupted at a time when the Russia-Ukraine war continues after four years, and wars have recently broken out in Afghanistan and Pakistan. A military conflict between Israel, the US, and Iran could have far-reaching consequences. India will also be affected. It could face not only the challenge of evacuating millions of Indians living in various West Asian countries, but also the obligation to purchase expensive crude oil. It is also certain that Iran will not want to be seen as siding with either side in this conflict.

Iran is surrounded by uncertainty, with implications for the entire world.

Following the death of Ayatollah Ali Khamenei in a joint Israeli-American operation, a leadership change has occurred in Iran, but the transition is uncertain. The Iranian military is threatening retaliation, increasing tensions in West Asia, which will impact global energy

supplies. Khamenei's Iran, not a regime threaten retaliation are rising in West Asia, the death of Iran's Ali Khamenei, in a joint leadership change has regime change will occur, Venezuela, and there is within the government is the announcement of and the Iranian military, commanders, are only by targeting Israel military bases in Saudi

death has resulted in a leadership change in change. The Iranian military continues to against Israel and the United States.Tensions impacting global energy supplies. Following supreme ruler and religious leader, Ayatollah Israeli-American military operation, a occurred, but it is difficult to say whether a which is the US President's goal. Iran is not currently no sign of any dissent or rebellion and military control system. Evidence of this an interim leadership to replace Khamenei, particularly the Revolutionary Guards threatening to avenge Khamenei's death, not but also by targeting civilian areas and US Arabia, Qatar, Jordan, Oman, Bahrain,

Kuwait, and the United Arab Emirates. The Iranian military's attacks on Israel, as well as civilian targets in neighboring countries, make it clear that it will not give up easily. The Iranian military's attacks on civilian targets in neighboring countries will further escalate tensions in West Asia. This will impact the entire world, including India, as this region is a major source of energy for the world. Despite the Iranian military's resistance, the fact remains that it cannot withstand the military capabilities of Israel and the US for long. It is not surprising that while there is general outrage in the Shia world following Khamenei's death, a segment of the Iranian public is rejoicing. This is because during his nearly 40 years in power, he ruled with tyranny and imposed rigid religious beliefs on his people. Furthermore, he supported organizations like Hezbollah, Hamas, and the Houthis in every way. This increased Israel and the United States' hostility towards Iran. There is no doubt that the Israeli and American attacks on Iran are not justified; these attacks are a reflection of America's arbitrariness. However, the Iranian regime's stubbornness is also responsible for the situation that has developed. Iran was striving to develop nuclear weapons by any means necessary. Had the Iranian regime not displayed stubbornness regarding its nuclear weapons program, a solution could have been found through diplomatic negotiations. It is difficult to predict Iran's future, but it cannot be ignored that this country, which once embraced modernity, has become entangled in conservative religious fanaticism, leading to growing opposition to the Iranian regime among a segment of the Iranian public and in the Western world.

A New Crisis Facing the World After the Iran-Israel War

The sooner this military conflict ends, the better for the world, including West Asia. However, this will only happen when both sides realize they cannot manage on their own. The Iran-Israel military confrontation deepened the global crisis. The blockage of the Strait of Hormuz led to a rise in oil prices. The war has a negative impact on the global economy. The joint Israeli-American military action against Iran appears to be yielding no results. Neither the Israeli-American attacks are stopping, nor Iran's retaliatory actions. Although Trump claims Iran has agreed to talks, Iranian leaders are flatly denying this. It is difficult to say when and how this military conflict will end, as it is unlikely that the death of Supreme Leader Khamenei has ensured a change of power in Iran. Iran may appear leaderless at the moment, but its military, especially the Islamic Revolutionary Guards Corps, is unwilling to retreat. It is targeting Israeli and American bases, as well as firing drones and missiles at civilian areas in Gulf countries. This has created an atmosphere of panic in these countries. It is not known for what purpose Iran is targeting civilian targets in neighboring countries, as this not only increases its opposition but also further isolates itself. Iran's threat to energy supply routes, especially the Strait of Hormuz, is beginning to impact oil and gas supplies. This sea route carries approximately 25 percent of oil and 30 percent of LNG supplies, making it vital for global energy security. Disruption of this waterway means higher oil and gas prices, impacting the economies of Asia, Europe, and other parts of the world. It should be noted that oil prices have already begun to rise. If they continue to rise, the crisis will worsen the already uncertain global economy. US President Trump will be held responsible for this, as it is a fact that Israel was in no position to attack Iran without US consent and assistance. While the focus of this devastating military conflict may be West Asia, it is affecting the entire world. The difficulty is that no one is in a position to intervene. The sooner this military conflict ends, the better for West Asia and the world. However, this will only happen when both sides realize they cannot manage their own affairs. Iran may be boasting of teaching a lesson to Israel and the US, but it is in no position to withstand the military might of these two countries for long. Similarly, it is not easy for the US and Israel to effect a quick regime change in Iran.

प्रेमिका से ब्रेकअप के बाद डिप्रेशन में आ गया था हार्दिक, बहन के कातिल यूट्यूबर पर मां का नया खुलासा

मुरादाबाद में असिस्टेंट मैनेजर की हत्या में बड़ा खुलासा हुआ है। बेटी की हत्या के बाद मां ने अपने बेटे को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि प्रेमिका से ब्रेकअप होने के बाद से बेटा डिप्रेशन में आ गया था और अपनी बहन से चिढ़ने लगा था। बात-बात पर विवाद करता था। उसे लगता था कि उन लोगों की वजह से ही उसका रिश्ता टूटा है।होली के त्योहार के खुशनुमा माहौल में एक दिल दहला देने वाली घटना ने सबको झकझोर कर रख दिया। मुरादाबाद में एक इंजीनियर ने अपनी ही जुड़वां बहन की बेरहमी से हत्या कर दी और मां पर भी जानलेवा हमला किया। यह सनसनीखेज वारदात उस वक्त हुई जब भाई-बहन होली मनाने के लिए गुरुग्राम से अपने घर आए थे। जानकारी के अनुसार, मृतक हिमशिखा (25) और आरोपी हार्दिक (25) दोनों भाई-बहन गुरुग्राम में एक साथ रहते थे। वे होली का त्योहार मनाने के लिए तीन मार्च को अपने घर आए थे।हिमशिखा एक प्रतिष्ठित आईटी कंपनी में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत थी, जबकि उसका भाई हार्दिक पहले गूगल में काम करता था, लेकिन करीब एक साल पहले उसने नौकरी छोड़कर यूट्यूबर बनने का रास्ता चुना था।घटना शुक्रवार की बताई जा रही है, जब दोनों भाई-बहन वापस गुरुग्राम जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान किसी बात को

लेकर उनके बीच कहासुनी हुई, जो जल्द ही हिंसक रूप ले लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हार्दिक ने आवेश में आकर अपनी जुड़वां बहन हिमशिखा पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।हत्या का कड़वा सच- दूसरे समुदाय में शादी का प्रस्ताव- पुलिस की शुरुआती जांच में हत्या के पीछे एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। बताया जा रहा है कि हार्दिक पुणे की एक लड़की से शादी करना चाहता था, जो दूसरे समुदाय से ताल्लुक रखती थी। इस शादी के प्रस्ताव को लेकर उसकी मां और बहन सहमत नहीं थे और इसका विरोध कर रहे थे। इसी बात को लेकर हार्दिक अपनी मां और बहन से बेहद नाराज था।गुस्से में उसने अपनी बहन की हत्या की, इसके बाद अपनी मां को भी मौत के घाट उतारने की नीयत से हार्दिक उन्हें बहाना बनाकर ऑफिस से घर ले आया और उन पर भी वार कर दिया। मुरादाबाद पुलिस ने मां नीलिमा की तहरीर पर बेटे हार्दिक के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। प्रेमिका से ब्रेकअप के बाद डिप्रेशन में आ गया था हार्दिक- जिसमें उसने बताया कि प्रेमिका से ब्रेकअप होने के बाद से उसका बेटा डिप्रेशन में आ गया था और अपनी बहन से चिढ़ने लगा था। बात-बात पर विवाद करता था। उसे लगता था कि उन लोगों की वजह से ही उसका रिश्ता टूटा है। वह बार-बार कहता था कि शादी तो उससे ही करेगा। हम लोग समझाते थे कि कर लेना लेकिन वह बहुत गुस्सैल हो गया था।वर्षों से गायब है नीलिमा का पति- नीलिमा के पति के बारे में जब पुलिस ने जानकारी करनी चाही तो पता चला कि वर्षों से वह गायब है। अब कहां है इस बारे में परिवार का भी कोई सदस्य नहीं जानता है। नीलिमा ने तो यहां तक कहा कि वह अपने पति का नाम भी नहीं लेना चाहती। बताया जा रहा है कि नीलिमा की शादी इंद्रजीत के साथ हुई थी। इनके जुड़वा बच्चे हुए थे। कुछ दिन बाद ही पति परिवार को छोड़कर चला गया था। नीलिमा ने ही अपने लड़के और लड़की को पाला था।अपने ही रंग रहे अपनों के खून से हाथ- मुरादाबाद जिले में हाल ही में रिश्तों के खून के कई ऐसे मामले सामने आए हैं जिन्होंने समाज को झकझोर कर रख दिया है। कहीं पति ने पत्नी की हत्या कर दी तो कहीं पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही पति को मौत के घाट उतरवा दिया। इतना ही नहीं शुक्रवार को तो भाई ने अपनी बहन की हत्या कर दी और मां पर चाकू से हमले किए। जबकि पाकबड़ा थाना क्षेत्र में एक युवती ने अपने ही परिवार को फंसाने के लिए प्रेमी से एक निर्दोष युवक की हत्या करा दी थी।सिविल लाइंस के नया गांव पीएसी निवासी इलेक्ट्रीशियन विनोद उर्फ विक्की ने बुधवार की दोपहर होली वाले दिन अपनी पत्नी ममता की चाकू से गला रेतकर हत्या कर थी। इसके बाद उसने अपने पेट में चाकू मारकर आत्महत्या कर ली थी। वह पत्नी को उसके मायके में होली मिलने की बात कहकर चला था। रास्ते में सोनकपुर ओवर ब्रिज के पास जंगल में प हत्या करने के बाद अपनी जान दे दी थी।संभल जिले के बहजोई निवासी अनिकेत शर्मा की हत्या उसके पिता बाबूराम शर्मा ने बीमे की रकम हड़पने के लिए सुपारी देकर करा दी थी। 16 नवंबर की रात कुंदरकी थाना क्षेत्र में अनिकेत का शव मिला था। हत्या को हादसा दर्शाने की कोशिश की थी। हालांकि पुलिस की जांच में पिता की करतूत का खुलासा हुआ था। भोजपुर थाना क्षेत्र के गोधी गांव निवासी अख्तर अली (43) की हत्या उसकी पत्नी शबीना ने अपने प्रेमी अल्ताफ से करा दी थी।अल्ताफ अख्तर अली का सगा बहनोई है। दोनों एक ही गांव में रहते थे। अल्ताफ ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर बहाने से अपने साले को बुलाया और उसकी नहर में डुबो कर मार दिया है। 30 जनवरी को अख्तर अली की लाश मिली थी। इस मामले में पुलिस ने अख्तर की पत्नी, उसके बहनोई और बहनोई के दो साथी गिरफ्तार किए थे। लालच, अवैध संबंध, धोखा, शक और पारिवारिक विवाद के कारण की जा रहीं इन हत्याओं को सिलसिला यहीं नहीं थमाशुक्रवार की दोपहर शहर की बुद्धि विहार कॉलोनी में बीटेक कर चुके हार्थिक ने अपनी बहन की चाकू से गोद कर हत्या कर दी। उसने अपनी मां नीलिमा पर भी चाकू से हमला किया। वह जिला अस्पताल में भर्ती है। बताया जा रहा है कि हार्दिक किसी लड़की से प्रेम करता था और उससे शादी करना चाहता था। मां बहन ने विरोध किया तो उसने इस घटना को अंजाम दे दिया। 18 जनवरी की रात रात पाकबड़ा के उमरी सब्जीपुर गांव में तीन भाइयों ने अपनी बहन काजल और उसके प्रेमी अरमान की पीट- पीटकर हत्या कर दी थीइसके बाद तीनों भाइयों ने दोनों के शव गांगन नदी किनारे दबा दिए थे। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा किया था। जिसमें सामने आया था कि युवती और दूसरे समुदाय के युवक अरमान को तीनों भाइयों ने आपत्ति जनक हालत में पकड़ लिया था।

दोनों बेटों का एनकाउंटर, इंसाफ न हुआ, कोर्ट में हाजिर कर जेल भेजा जाता; जीशान और गुलफाम के पिता का बयान

यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर हमले के मामले में एक और खुलासा हुआ है। सलीम वास्तिक पर हमले के बाद आरोपी गुलफाम सैदनगली पहुंचा था। वहीं, आरोपी जीशान और गुलफाम के पिता बुनियाद अली का कहना है कि दोनों बेटों को पुलिस के चर्चित यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर कातिलाना हमले सामने आया है कि सलीम पर हमले के बाद आरोपी के बाद वह वापस गाजियाबाद चला गया था। 27 कातिलाना हमला हुआ था। इसका एक सीसीटीवी फुटेज गुलफान का नाम सामने आया था। एक मार्च को पुलिस पुलिस ने गुलफाम को भी एनकाउंटर में ढेर कर दिया शव का भी दफीना सैदनगली में ही किया गया था। गया था। इसके बाद चार साल पहले उसका छोटा भाई तालीम हासिल की थी। दो बेटों की मौत से परिवार

ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया, लेकिन यह इंसाफ नहीं हुआ है। गाजियाबाद के आरोपी दोनों भाइयों को पुलिस एनकाउंटर में ढेर कर चुकी है। अब गुलफाम अमरोहा जिले के सैदनगली पहुंचा था, हालांकि कुछ घंटे रूकने फरवरी को गाजियाबाद में यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर उनके कार्यालय में भी सामने आया है। इस मामले में सैदनगली के दो भाइयों जीशान और ने जीशान को मुठभेड़ में मार गिराया था। इसके बाद तीन मार्च की रात को था। बुधवार की रात को गाजियाबाद पुलिस की मौजूदगी में गुलफाम के गुलफाम करीब 12 साल पहले लकड़ी की कारीगरी का काम करने नोएडा जीशान भी बड़े भाई के पास ही पहुंच गया था। जीशान ने मदरसे से सदमें हैं।जीशान के पिता बुनियाद अली बताते हैं कि गुलफाम 28 फरवरी को घर आया था। कुछ घंटे रूकने के बाद वह वापस चला गया था। लोनी पुलिस उनके घर से बाइक भी बरामद कर चुकी है। हालांकि उस बाइक का घटना से क्या संबंध है यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।इंसाफ नहीं हुआ, कोर्ट में हाजिर करने के बाद जेल भेजा जाता- बुनियाद अली यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर हमले के के आरोपी जीशान और गुलफाम के पिता बुनियाद अली का कहना है कि दोनों बेटों को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया, लेकिन यह इंसाफ नहीं हुआ है। पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर कोर्ट में हाजिर करती। कोर्ट जो भी निर्णय लेता वहीं इंसाफ होता। ये सच्चाई है गुंडागर्दी में उनका एनकाउंटर किया गया है। जिसने कभी तमंचा छूकर ना देखा हो, सरकार से इंसाफ की कोई उम्मीद नहीं है।जीशान के बाद गुलफाम भी ढेर- गाजियाबाद के इंदिरापुरम इलाके में तीन मार्च मंगलवार रात हुई मुठभेड़ में पुलिस ने मुख्य आरोपी गुलफाम को ढेर कर दिया है। इससे महज दो दिन पहले, एक मार्च को पुलिस ने गुलफाम के छोटे भाई जीशान को भी मुठभेड़ में मार गिराया था। परिजनों के अनुसार, गुलफाम करीब कुछ साल पहले घर की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए लकड़ी की कारीगरी का काम करने नोएडा गया था। वहां उसने मेहनत से अपना घर बसाया, शादी की और वर्तमान में उसके दो मासूम बच्चे भी हैं। जिनमें एक बेटा और एक बेटी भी है। किसी ने नहीं सोचा था कि मेहनत-मजदूरी करने गया गुलफाम अपराध की दुनिया के दलदल में इस कदर फंस जाएगा।छोटा भाई जीशान स्वभाव से शांत बताया जाता था। पिता ने उसे स्थानीय मदरसे में दीनी तालीम के लिए भेजा था, जहां उसने ढाई साल तक पढ़ाई की। घर की तंगहाली को देखते हुए उसने पढ़ाई छोड़ दी और पिता के साथ लकड़ी के काम में हाथ बंटाने लगा। हालांकि, उसने शिक्षा का साथ पूरी तरह नहीं छोड़ा और 2020 में सैदनगली के एक इंटर कॉलेज से 12वीं की परीक्षा पास की। इसके बाद जीशान भी अपने भाई के पास चला गया। अब वह गाजियाबाद के खोड़ा में रह रहे थे। दो सगे भाइयों की मौत से पूरे गांव में सन्नाटा पसरा है। बदहवास मां और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस दोहरे एनकाउंटर ने सैदनगली में शोक है। पुलिस के अनुसार, 27 फरवरी को यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर हुए हमले में दोनों भाई गुलफाम और जीशान साथ थे। वारदात के बाद दोनों के बाइक पर जाते हुए के कुछ वीडियो भी वायरल हुए थे। सलीम पर हुए हमले के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाराजगी जाहिर करते हुए हमलावरों को न बख्शने की चेतावनी भी दी थी। इसके बाद पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए घटना में शामिल दोनों आरोपियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया।

रस्सी से बंधे थे बॉबी के दोनों हाथ, सिर में कुल्हाड़ी से वार कर युवक की हत्या; मां ने खोला बड़ा राज

संभल में युवक की सिर में कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। मृतक की मां मक्को देवी ने बताया कि शुक्रवार की शाम पड़ोसी जसराज उनके बेटे बॉबी को घर से बुला कर ले गया था। गांव के मंदिर के पास दोनों ने शराब पी थी।यूपी के संभल जिले के थाना कुढ़फतेहगढ़ घर में खींच कर सिर में कुल्हाड़ी मार कर हत्या कर दी गई। हालांकि में हत्याकांड को अंजाम देने की बात सामने आ रही है। मौके पर पहुंची हैं। देर रात तक पुलिस शव कब्जे में कर पोस्टमार्टम को भेजने की तैयारी बॉबी की हत्या हुई है। मृतक की मां मक्को देवी ने बताया कि शुक्रवार की था। गांव के मंदिर के पास दोनों ने शराब पी थी। इसी दौरान जसराज और वहां से लौट आया। जसराज ने बॉबी को अपने घर में खींचा- उसके बाद

इलाके के गांव बलकरनपुर में मामूली कहासुनी होने पर युवक को हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। प्रथमदृष्टया मामूली कहासुनी थाना पुलिस ने जानकारी ली है। घटना के बाद से ही आरोपी फरार कर रही थी। गांव बलकरनपुर निवासी राय सिंह के 20 वर्षीय बेटे शाम पड़ोसी जसराज उनके बेटे बॉबी को घर से बुला कर ले गया बॉबी में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। उस समय बॉबी बॉबी अपने भाई के साथ गांव में जा रहा था। इसी दौरान जसराज के घर के सामने से निकला तो जसराज ने कुछ लोगों के साथ बॉबी को अपने घर में खींच लिया। जबकि उसका भाई मौके से भाग निकला। भाई ने घर जाकर परिजनों को मामले की जानकारी दी। लहूलुहान हालत में मिला- परिजन दौड़ कर मौके पर पहुंचे तो बॉबी लहूलुहान हालत में जसराज के घर में पड़ा था। उसकी मौत हो चुकी थी। बॉबी के दोनों हाथ रस्सी से बंधे हुए थे। सिर पर कुल्हाड़ी से वार किया गया था। जसराज और उसके परिवार के लोग फरार थे। वहीं जानकारी होने पर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। पुलिस शव का करवा रही पोस्टमार्टम - सूचना पाकर थाना प्रभारी लोकेंद्र त्यागी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। सीओ दीपक तिवारी भी पहुंच गए। सीओ ने बताया कि मौके पर पहुंच कर जानकारी ली है। फिलहाल अभी हत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो पा रही है। जानकारी की जा रही है। शव पोस्टमार्टम को भेजा जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में एक और पति का कत्लः रात में घर आए प्रेमी के साथ मिलकर मार डाला; डरा धमका कर बड़े बेटे को कर दिया चुप

यूपी में एक और पति का कत्ल हो गया। पत्नी और उसके प्रेमी ने मार डाला। अवैध संबंधों के विरोध पर महिला ने ही प्रेमी संग मिलकर साजिश रची। पुलिस ने शक के आधार पर हत्यारोपी पत्नी कल्लो को हिरासत में ले लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर कल्लो ने प्रेमी बबलू के साथ मिलकर हत्या की वारदात को अंजाम देना कबूल कर लिया।यूपी के अमरोहा में अवैध संबंधों के विरोध में एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की निर्मम हत्या कर दी। घटना को आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया गया, लेकिन मृतक के छोटे भाई की तहरीर पर पुलिस ने पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या में प्रयुक्त रस्सी भी बरामद कर ली है। घटना गजरौला थाना क्षेत्र के गंगा के टापू में बसे दारानगर गांव की है। मृतक ओमपाल (35) दारानगर गांव के किसान महावीर सिंह के तीन बेटों में सबसे बड़े थे। करीब 13 साल पहले उनकी शादी हापुड़ जिले के गढ़मुक्तेश्वर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी कल्लो के साथ हुई थी, जिनसे उनके तीन बच्चे रविकांत, साक्षी और बादल हैं। ओमपाल खेती के साथ-साथ मजदूरी भी करते थे।जानकारी के अनुसार, मृतक की पत्नी कल्लो का आदमपुर थाना क्षेत्र के सिकंदराबाद निवासी बबलू के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। ओमपाल इस रिश्ते का लगातार विरोध करते थे, जिसके कारण उनका अपनी पत्नी से अक्सर विवाद होता था। कल्लो कई बार अपने प्रेमी के साथ घर से चली गई थी और कुछ समय बाद लौट आती थी। दो महीने पहले भी वह अपने प्रेमी के साथ चली गई थी और कुछ दिन पहले ही घर लौटी थी।चार मार्च को होली के दिन जब बबलू गांव आया था, तो ओमपाल की उससे कहासुनी हुई थी। बबलू ने ओमपाल को जान से मारने की धमकी दी थी और चला गया था। बुधवार रात को बबलू एक बार फिर गांव में आया। इसी रात, कल्लो ने अपने प्रेमी बबलू के साथ मिलकर ओमपाल की प्लास्टिक की रस्सी से गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद, दोनों ने मिलकर शव को पंखे से लटका दिया ताकि यह आत्महत्या का मामला लगे।पुलिसिया कार्रवाई और खुलासे- मृतक के छोटे भाई जोगेश ने अपनी भाभी कल्लो और उसके प्रेमी बबलू के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने गुरुवार को सीओ और इंस्पेक्टर के साथ गांव पहुंचकर मौका मुआयना किया। पुलिस ने शक के आधार पर हत्यारोपी पत्नी कल्लो को हिरासत में ले लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर कल्लो ने प्रेमी बबलू के साथ मिलकर हत्या की वारदात को अंजाम देना कबूल कर लिया।पुलिस ने कल्लो को गिरफ्तार कर लिया है और उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई प्लास्टिक की रस्सी भी बरामद कर ली है। सीओ ने बताया कि कल्लो को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि उसका प्रेमी बबलू अभी पुलिस की पकड़ से बाहर है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।पारिवारिक पृष्ठभूमि और बच्चे ओमपाल और कल्लो के तीन बच्चे हैं - रविकांत, साक्षी और बादल। इस घटना ने न केवल परिवार को सदमे में डाल दिया है, बल्कि बच्चों के भविष्य पर भी गहरा सवाल खड़ा कर दिया है। अवैध संबंधों के चलते एक परिवार बिखर गया और तीन बच्चे अनाथ हो गए।आदमपुर थाना क्षेत्र के सिकंदराबाद गांव में अवैध संबंधों ने एक खूनी साजिश को जन्म दिया। ग्रामीणों के अनुसार, बबलू नामक व्यक्ति के गांव के ही ओमपाल की पत्नी कल्लो से कई वर्षों से नाजायज संबंध थे। बीते चार मार्च को ओमपाल ने अपनी पत्नी कल्लो को बबलू के साथ आपत्तिजनक स्थिति में रंगे हाथों पकड़ा। इस दौरान हुए शोर-शराबे के कारण आसपास के ग्रामीण भी मौके पर जमा हो गए। ग्रामीणों ने बबलू की जमकर पिटाई की। यह भी बताया जा रहा है कि ग्रामीणों के कहने पर कल्लो ने भी अपने प्रेमी बबलू को चप्पलों से मारा।बदले की भावना से रची गई साजिश- प्रेमिका के हाथों पिटने और ग्रामीणों द्वारा हुई फजीहत से बबलू बुरी तरह अपमानित और क्षुब्ध हो गया। बताया जा रहा है कि इसी अपमान का बदला लेने के लिए उसने ओमपाल को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। प्रेमिका के हाथों चप्पल से मार खाने के बाद वह मौके से भाग गया था, लेकिन उसके मन में बदले की आग जल रही थी।प्रेमिका के हाथों चप्पल से मार खाने से क्षुब्ध होकर ली युवक की जान- दारानगर के ग्रामीणों का कहना है कि आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव सिकंदराबाद निवासी बबलू से ओमपाल की पत्नी कल्लो के कई साल से अवैध संबंध थे। चार मार्च को ओमपाल ने अपनी पत्नी को बबलू के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया था।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

ई-ऑफिस लागू न करने वाले कर्मचारियों का मार्च का रुकेगा वेतन - जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । प्रशासनिक कामकाज को पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में ई-ऑफिस क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन कार्यालयों और पटलों पर ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य नहीं किया जा रहा है, उनका मार्च माह का वेतन रोका जाएगा।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि यदि किसी कर्मचारी को ई-ऑफिस संचालित करने में कोई तकनीकी या अन्य समस्या आ रही है तो उसे तुरंत दूर कराया जाए और सभी कार्य ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से ही किए जाएं। बैठक में ई-ऑफिस के जरिए फाइल मूवमेंट करने वाले विभागों और गो-लाइव प्रक्रिया में शामिल कार्यालयों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अगले तीन दिनों के भीतर सभी विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली पूरी तरह से गो-लाइव कर दी जाए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ समापन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को तहसील सदर स्थित सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ।

जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में कहा कि मुख्यमंत्री जी की मंशा है कि आमजन की शिकायतों का यथाशीघ्र और गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए और इसी दृष्टिकोण से जिला मुख्यालयों पर जनसुनवाई की लाइव मॉनिटरिंग की जा रही है तथा शीघ्र ही समस्त तहसील मुख्यालयों व सम्पूर्ण समाधान दिवसों की भी लाइव मॉनिटरिंग की व्यवस्था लागू हो जाएगी, ऐसे में समस्त अधिकारी समय से सम्पूर्ण समाधान दिवसों में अपनी उपस्थिति बनाए रखें, जिससे जनता की शिकायतों के निस्तारण में कोई समस्या ना आए। तहसील दिवस में उपस्थित समस्त अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी अपने कार्यालयों में सुबह 9:45 से 12:00 तक अवश्य बैठे और आने वाले आमजन शिकायतों का निस्तारण करें और उनके साथ बेहतर व्यवहार भी करें, आपके द्वारा किए जाने वाले निस्तारण से शिकायतकर्ता संतुष्ट भी होना चाहिए।

◆ जनसुनवाई हेतु 9:45 से 12 बजे तक अपने अपने कार्यालय में रहें मौजूद

सम्पूर्ण समाधान दिवस में निवासी हरुनगला थाना बारादरी द्वारा बताया गया कि प्रार्थी अपने खेत पर खेती का कार्य करता है तथा खेत में पक्के खम्भे व तार भी लगे हुए थे, जिन्हें लेखपाल द्वारा गलत तरीके से नाप कर बी.डी.ए. द्वारा उनकी जमीन पर नाला खुदवा दिया गया है, जिस पर जिलाधिकारी ने वीसी बीडीए/उप जिलाधिकारी सदर को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। एक आवेदक ग्राम श्याम नगर उड़ला जागीर द्वारा पिता की मृत्यु उपरांत विद्युत कनेक्शन ट्रांसफर करने हेतु विद्युत विभाग को समस्त दस्तावेज जमा कर दिए गए हैं लेकित अभी तक विद्युत कनेक्शन ट्रांसफर नहीं होने की शिकायत की, जिस पर जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग को उक्त प्रकरण की जांच कर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

एक अन्य आवेदक निवासी संजय नगर द्वारा कृषि भूमि ग्राम पुरनापुर में भूमाफियों द्वारा सीमेंट के पोल लगाकर अवैध कब्जे की शिकायत की, जिस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार सदर/एसएचओ इज्जतनगर को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह, अपर नगर आयुक्त शशि भूषण सिंह, उप जिलाधिकारी सदर प्रमोद कुमार सहित सम्बंधित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

गैस सिलेंडर हुआ महंगा बरेली के 10 लाख उपभोक्ताओं पर पड़ेगा असर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में वृद्धि की गई है। बरेली में शनिवार से नई दरें लागू कर दी गई हैं। इसके साथ नियमों भी बदलाव किया गया है। 14.2 किलोग्राम के घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह, 19 किलोग्राम के व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर पर 115 रुपये बढ़े हैं। इससे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और आम जनता की जेब पर असर पड़ेगा। बरेली के डीएसओ मनीष कुमार सिंह के मुताबिक बरेली जिले में करीब दस लाख एलपीजी उपभोक्ता हैं। इनमें 4.16 लाख उज्ज्वला कनेक्शन हैं। नए नियम के तहत अब एक बार घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग के बाद दूसरी गैस सिलेंडर की रिफिल के लिए बुकिंग 21 दिन बाद ही होगी। एलपीजी की जिले में फिलहाल कोई कमी नहीं है। अब तीन सप्ताह बाद होगी दूसरी घरेलू बुकिंग -उत्तर प्रदेश एलपीजी गैस डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन के प्रदेश सचिव आदर्श शर्मा के मुताबिक एहतियातन पेट्रोलियम कंपनियों ने एक के बाद दूसरी घरेलू गैस बुकिंग तीन सप्ताह बाद का नियम लागू किया है। इससे उन उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ेगा, जिनके घर में कोई आयोजन प्रस्तावित है। समारोह में कमर्शियल सिलिंडर बुक होते हैं, इसकी बुकिंग के लिए दिन की कोई बाध्यता नहीं है। अब 931 रुपये में मिलेगा घरेलू सिलिंडर उन्होंने बताया कि बरेली में अब घरेलू सिलेंडर 60 रुपये बढ़ी दर के बाद 931 रुपए का मिलेगा। कॉमर्शियल सिलिंडर में 119 रुपए की बढ़त की गई है। अलग अलग कंपनियों के कॉमर्शियल सिलिंडर की कीमत अलग अलग होती है। इसलिए सटीक रेट बताना मुमकिन नहीं है। वहीं, इंडेन पेट्रोलियम कंपनी ने पोस्टर भी जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि उपभोक्ता घबराएं नहीं है। जिले में पर्याप्त सप्लाई है।

अतिक्रमण हटाने को चला नगर निगम का बुलडोजर, व्यापारियों ने किया विरोध, हंगामा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। कोहड़ापीर से धर्मकांटा चौराहे तक सीएम ग्रिड कार्य के दौरान अतिक्रमण हटाने पर शनिवार को विवाद हो गया। नगर निगम की टीम ने बुलडोजर के साथ भारत सेवा ट्रस्ट के आगे अतिक्रमण हटाने की शुरुआत की। निगम का बुलडोजर चलते ही व्यापारियों का विरोध करना शुरू कर दिया। व्यापारियों ने नगर निगम की टीम का घेराव किया। व्यापारियों ने कहा कि नगर निगम मनमाने तरीके से अतिक्रमण हटा रहा है। व्यापारियों को पूर्व में इसकी कोई सूचना नहीं दी गई। व्यापारियों ने कहा कि उनकी दुकान वर्षों से यहां पर बनी हुई है। उनके पास दुकानों के कागजात मौजूद हैं। निगम के अधिकारियों का कहना है कि व्यापारियों ने दुकानों के आगे अतिक्रमण कर रखा है, जिससे निर्माण कार्य के दौरान बाधा उत्पन्न हो रही है।

मौसम में बदलाव का असर, बच्चों पर डायरिया का बढ़ा हमला

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मौसम में हो रहे बदलाव और बढ़ते तापमान के बीच बुखार के साथ ही डायरिया का हमला बच्चों पर बढ़ गया है। जिला अस्पताल में शनिवार को 24 बच्चे भर्ती थे। इसमें 14 बच्चों में डायरिया के लक्षण मिले हैं। उसमें सात लोगों की जांच में डायरिया की पुष्टि हो चुकी है। शनिवार को जिला अस्पताल की ओपीडी में खासी भीड़ रही। बुखार, पेट की बीमारियों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

बीडीए ने भूखंडों की नीलामी से एक दिन में 138 करोड़ कमाए

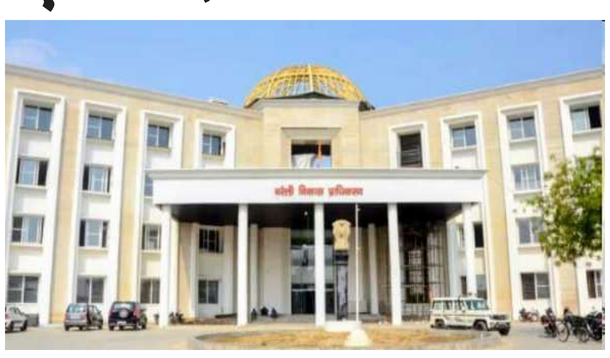

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। रामगंगा नगर और ग्रेटर बरेली आवासीय योजना में बड़ी संख्या में लोग भूखंड खरीदने के लिए उमड़े। बीडीए कार्यालय परिसर में सुबह 11 से शुरू हुई नीलामी शाम करीब चार बजे तक चली। नीलामी में बीडीए ने 138 करोड़ की आय प्राप्त की।

बीडीए उपाध्यक्ष ने सभी आवंटियों से शहर के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. मनिकन्डन ए. ने बताया कि रामगंगा नगर और ग्रेटर बरेली आवासीय योजना के तहत विभिन्न श्रेणियों और क्षेत्रफल के रिक्त व्यावसायिक भूखंडों की नीलामी के लिए विशेष शिविर का आयोजन हुआ। नीलामी में निवेशकों को अपने व्यवसाय और योजना के अनुसार विकल्प चुनने का अवसर मिला।

बड़ी संख्या में लोग अपने सपनों के कारोबार को साकार करने के दूसरे शहर व राज्यों से भी आए, जिससे प्राधिकरण को 138 करोड़ रुपये से अधिक आय हुई। सचिव वंदिता श्रीवास्तव, मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी शिवधनी सिंह यादव, संयुक्त सचिव दीपक कुमार, विशेष कार्याधिकारी नीलम श्रीवास्तव, अजीत कुमार, अधिशासी अभियंता एपीएन सिंह आदि मौजूद रहे।

सचिव वंदिता श्रीवास्तव ने बताया कि प्राधिकरण ने दिल्ली-लखनऊ बड़े बाईपास और पीलीभीत बाईपास के पास लगभग 267 हेक्टेयर क्षेत्र में नई टाउनशिप योजना विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नई टाउनशिप में आधुनिक और व्यवस्थित सुविधाओं का खास ध्यान रखा गया है। योजना में 45 और 30 मीटर चौड़ी जोनल सड़कें, 18 मीटर तक चौड़ी आंतरिक सड़कें, भूमिगत बिजली लाइनें और 132 केवीए विद्युत उपकेंद्र शामिल हैं। इसके अलावा एम्यूजमेंट पार्क, कम्युनिटी सेंटर जैसी सुविधाओं का प्रावधान भी किया गया है। नई टाउनशिप निवेशकों और शहरवासियों के लिए अवसर और आधुनिक जीवनशैली का एक उदाहरण बनेगी। इससे न केवल शहर का आवासीय और व्यावसायिक ढांचा मजबूत होगा, बल्कि निवेशकों को अपने सपनों का कारोबार स्थापित करने का शानदार मौका भी मिलेगा।

मुरादाबाद में पेट्रोल पंपों पर अचानक बढ़ी डीजल-पेट्रोल की बिक्री, रेट बढ़ने की आशंका के चलते कर रहे डंप

ईरान युद्ध की आशंका के बीच पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने और कमी की अफवाहों से पेट्रोल पंपों पर भीड़ बढ़ गई है। किसान और वाहन चालक बड़ी मात्रा में तेल भरवा रहे हैं। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के मद्देनजर पेट्रोल-डीजल की रेट बढ़ने और कमी की आशंका के बीच पेट्रोल पंपों पर लोगों की भीड़ दिखाई दे रही है। पेट्रोल पंपों पर डीजल खरीदने के लिए ज्यादातर संख्या में किसान पहुंच रहे हैं। वहीं कई लोग पेट्रोल-डीजल को डंप करने में जुटे हैं।एन फिलिंग स्टेशन के स्वामी देवेश भूषण का कहना कि जिसको 10 लीटर डीजल की जरूरत है वह 100 लीटर ही खरीद रहा है। इसमें ज्यादातर किसान हैं। साथ ही वाहन चालक भी अपने वाहनों की टैंक फुल करा रहे हैं। किंग एचपी फ्यूल स्टेशन ताहरपुर के स्वामी मोहम्मद नावेद ने बताया कि तेल के रेट बढ़ने की आशंका में किसान ज्यादा चिंतित हैं, इसलिए ड्रम, कैनों आदि में भरवा कर तेल ले जा रहे हैं।वहीं आईटीएम ऑटोमोबाइल्स के स्वामी अफरोज पाशा ने बताया कि फिलहाल पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने किसी तरह से की अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। साथ ही जीजे इंटरप्राइजेज डींगरपुर, कुंदरकी फिलिंग स्टेशन, एमआर फिलिंग स्टेशन आदि पेट्रोल पंपों पर भी तेल खरीदने को वाहन चालकों और किसानों की भीड़ नजर आई।कांठ और छजलैट में पेट्रोल पंपों पर हो रही सामान्य बिक्री ईरान-अमेरिका युद्ध के चलते कांठ और छजलैट क्षेत्र के पेट्रोल पंपों पर फिलहाल पेट्रोलियम पदार्थों की कोई किल्लत न होने और बिक्री भी रोज की तरह ही होना बताई गई है। शुक्रवार को कांठ और छजलैट क्षेत्र के पेट्रोल पंपों पर वाहन स्वामियों के द्वारा सामान्य रूप से ही पेट्रोल, डीजल और सीएनसी की खरीदारी की गई।कांठ नगर स्थित कुमार फिलिंग स्टेशन के मैनेजर कृष्णवीर सिंह यादव ने बताया कि अभी न तो पेट्रोल व डीजल के दामों में कोई परिवर्तन हुआ है और न ही किसी भी प्रकार की कोई किल्लत है। वहीं छजलैट में कृष्णा इंडियन ऑयल के स्वामी विक्रांत सिंह ने बताया कि उनके यहां पेट्रोल, डीजल और सीएनसी पर्याप्त है। शुक्रवार को दिन में बिक्री सामान्य रही, लेकिन शाम को इसमें कुछ इजाफा हुआ है। इसके अलावा अन्य पेट्रोल पंपों पर अभी तक भीड़ नहीं देखी गई है। ठाकुरद्वारा में पहले से डीजल में 4000 लीटर की बढ़ोतरी -युद्ध को लेकर लोगों में डीजल पेट्रोल की कमी होने का डर है। लोग जरूरत से ज्यादा पेट्रोल और डीजल पंपों पर जाकर खरीद रहे हैं। इससे पेट्रोल पंपो पर डीजल और पेट्रोल की बिक्री भी बढ़ रही है। नगर के मुरादाबाद हाईवे पर स्थित पेट्रोल पंप के संचालक अंशुल अग्रवाल ने बताया कि इस समय अमेरिका ईरान के युद्ध को लेकर लोगों में डर है कि यदि युद्ध लंबा खींचा तो डीजल पेट्रोल नहीं मिलेगा।उनका कहना है कि किसान भी गेहूं की फसल के लिए अधिक डीजल ले जा रहे हैं। पहले से डीजल की बिक्री में 4000 लीटर की बढ़ोतरी हुई है जबकि पेट्रोल की बिक्री ज्यादा नहीं बढ़ी है। वहीं तिकोनिया स्थित पेट्रोल पंप के संचालक रचित बिश्नोई का कहना है कि युद्ध के कारण प्रतिदिन 1500 से 2500 लीटर अधिक पेट्रोल की बिक्री हो रही है।

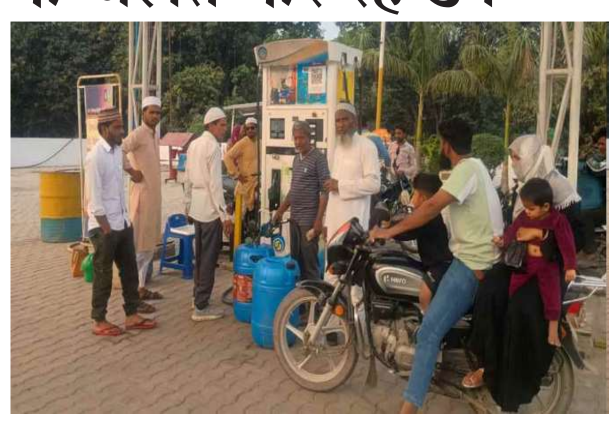

मंडप में चल रही थी डॉक्टर की शादी, नोएडा से पहुंची लिव-इन-पार्टनर-हंगामा, दुल्हन ने शादी से किया इनकार

बिजनौर में डॉक्टर की शादी नोएडा की युवती के लिव-इन रिलेशनशिप आरोपों के चलते मंडप में रुकी। ब्यूटी पार्लर संचालिका ने दो साल से शादी का झांसा देने का आरोप लगाया, पुलिस ने मामला शांत किया।जनपद बिजनौर के किरतपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक शादी का मंडप हंगामे के कारण रुक गया। नोएडा की एक युवती, जो दावा कर रही थी कि वह डॉक्टर की लिव-इन पार्टनर है, बैंक्वेट हॉल पहुंची और दूल्हे पर दो साल से शादी का झांसा देने का आरोप लगाया।मंडप में अफरा-तफरी

युवती के हंगामे के बाद शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचना पड़ा और स्थिति को नियंत्रित किया। कुछ देर बाद युवती वहां से चली गई, लेकिन वधू पक्ष ने शादी करने से साफ इंकार कर दिया।जानकारी के अनुसार दूल्हा नोएडा के एक मेडिकल कॉलेज से बीयूएमएस की पढ़ाई कर चुका है। पढ़ाई के दौरान उसकी मुलाकात ब्यूटी पार्लर संचालिका से हुई थी और दोनों के बीच प्रेम संबंध बन गए। युवती दो बच्चों की मां बताई जा रही है।

पुलिस की प्रतिक्रिया- थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि फिलहाल शादी रुकवा दी गई है। युवती की तहरीर मिलने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूपीएससी में चाय वाले के बेटे ने फिर रच दिया इतिहास, इन आठ होनहारों ने पाई सफलता; सितारे की कहानी

क्यूँ न लिखूँ सच/ मुरादाबाद मंडल के सितारे सिविल सेवा में चमके हैं। आठ होनहारों ने सफलता पाई है। सिविल सेवा में चयनित होने वालों में छह युवक मुरादाबाद के हैं, एक अमरोहा की बेटी और चंदौसी के युवक ने भी सफलता का परचम लहराया है।मुरादाबाद में सिविल सेवा-2025 के घोषित परिणाम में मंडल के सितारों ने अपनी चमक बिखेरी है। सिविल सेवा में आठ होनहारों ने सफलता का परचम लहराया है। इसमें मुरादाबाद के छह युवक शामिल हैं। अमरोहा की बेटी और चंदौसी के युवक ने भी सफलता की उड़ान भरी है। सफलता हासिल करने वाले होनहारों का कहना कि युवाओं को अपने लक्ष्य को चुनना चाहिए। उसी को ध्यान में रखकर पूरी एकाग्रता से तैयारी करनी चाहिए। परिणाम आने पर यदि असफल हो जाते हैं, तो डरने या घबराने के बजाय पूरी हिम्मत से आगे बढ़ना चाहिए, क्योंकि असफलता हमें अपने आकलन का एक और मौका देती है। हमें याद रखना चाहिए कि तैयारी में लगाया गया समय कभी खराब नहीं होता। यह हमें अपनी मंजिल तक पहुंचाने की एक प्रक्रिया है जो हमें इतना काबिल बना देती है कि हर परिस्थिति में हम मजबूती से खड़े हो पाते हैं। मुरादाबाद के देवांश गुप्ता को 77वीं, सृजित कुमार को 84वीं रैंक, ऋषभ शर्मा को 116वीं, गरिमा सिंह को 240वीं, अंकित कुमार सिंह को 842वीं, पीयूष मौर्य को 889वीं रैंक मिली है। वहीं अमरोहा की सुरभि यादव ने 14वीं और चंदौसी के देव डुडेजा ने 152वीं रैंक हासिल की है।यूपी पुलिस के इंस्पेक्टर की बेटी बनी आईएएस, हासिल की 14वीं रैंक- अमरोहा में सिविल सेवा परीक्षा (यूपीएससी) में अमरोहा की बेटी सुरभि यादव ने शानदार सफलता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने देशभर में 14वीं रैंक प्राप्त की है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। इंस्पेक्टर पिता राकेश कुमार यादव और मां अखिलेश देवी की आंखें खुशी से नम हो गईं, जबकि गांव और रिश्तेदारों में मिठाइयां बांटकर जश्न मनाया गया। मूलरूप से नौगावां सादात क्षेत्र के गांव नसीर नगला निवासी राकेश कुमार यादव उत्तर प्रदेश पुलिस में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं और वर्तमान में ईओडब्ल्यू वाराणसी में कार्यरत हैं। उन्होंने अपने कॅरिअर की शुरुआत यूपी पुलिस में कांस्टेबल के पद से की थी। वर्ष 2007 में वह दरोगा बने और वर्ष 2021 में पदोन्नत होकर इंस्पेक्टर बने। परिवार में पत्नी अखिलेश देवी, बेटी सुरभि यादव और बेटा राजशेखर यादव हैं।

परिवार में शिक्षा का माहौल हमेशा से रहा, जिसने बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। राकेश यादव की पोस्टिंग के दौरान परिवार बरेली में रहने लगा था। सुरभि यादव ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा बरेली से ही पूरी की। उन्होंने दसवीं की परीक्षा एसआर इंटरनेशनल स्कूल बरेली से और 12वीं की परीक्षा आर्मी पब्लिक स्कूल बरेली से उत्तीर्ण की।

इंटरमीडिएट में सुरभि ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मंडल में पहला स्थान हासिल किया था। इसके बाद सुरभि ने दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्रीराम कॉलेज से बीए ऑनर्स की पढ़ाई पूरी की। आगे की पढ़ाई के लिए उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली से इतिहास विषय में एमए की डिग्री प्राप्त की।

सुरभि का सपना शुरू से ही यूपीएससी के माध्यम से देश सेवा करना था। हालांकि, उनका सफर आसान नहीं रहा। सिविल सेवा परीक्षा 2023 के फाइनल में वह मात्र दस अंकों से चयन से चूक गई थीं। लेकिन उसी परीक्षा के अंकों के आधार पर उन्हें युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत माय भारत योजना में एडिशनल डायरेक्टर/डीवाईओ के पद पर नियुक्ति मिली। वह बीते जनवरी से इस पद पर कार्यरत हैं। तीन प्रयासों में सफलता नहीं मिलने के बावजूद सुरभि ने हार नहीं मानी और अपने लक्ष्य के प्रति लगातार मेहनत जारी रखी। शुक्रवार को घोषित हुए यूपीएससी के परिणाम में उन्होंने देश में 14वीं रैंक हासिल कर अपनी मेहनत का फल पा लिया। सुरभि की इस सफलता पर उनके पिता राकेश कुमार यादव ने कहा कि बेटी ने दसवीं पास करने के बाद ही यूपीएससी करने और देश सेवा करने का संकल्प ले लिया था।देवांश गुप्ता को मिली 77वीं रैंक

मुरादाबाद के दीनदयाल नगर निवासी देवांश गुप्ता ने 77वीं रैंक प्राप्त की है। उनका यह पांचवां प्रयास था और मेंस परीक्षा व साक्षात्कार दूसरी बार था। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 में पुणे से मैंने बीए एलएलबी किया था। वहां पर यरवदा सेंट्रल जेल में कैदियों के लिए काम करने का मौका मिला। उस वक्त मुझे महसूस हुआ कि यहां पर काम करने का दायरा सीमित है। इसकी अपेक्षा सिविल सर्विस में धरातल पर काम करने के अवसर ज्यादा हैं। इसके बाद मैंने यूपीएससी में आवेदन किया। पहली दो बार की परीक्षा मैंने पाठ्यक्रम को समझने के लिए दी थी। देवांश ने बताया कि आसपास हो रहे घटनाक्रम के प्रति जागरूक रहने के लिए उन्होंने प्रतिदिन अखबार पढ़ा। उन्होंने प्रतिदिन पांच से छह घंटे पढ़ाई की। उन्हें वेब सीरीज देखना पसंद है। उन्हें दोस्तों के साथ लांग ड्राइव पर जाना पसंद है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां प्रोफेसर किरन साहू को दी। वह गोकुलदास हिंदू गर्ल्स कॉलेज में मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की सादगी बहुत पसंद है। वह मेरे प्रेरणास्रोत हैं। उन्हें किताब पढ़ना और डायरी लिखना पसंद है।दूसरे प्रयास में सृजित को मिली 84वीं रैंक- मूलरूप से शाहजहांपुर और वर्तमान में केंद्रीय पुलिस अस्पताल परिसर निवासी सृजित कुमार ने दूसरे प्रयास में 84वीं रैंक प्राप्त की है। पिछले वर्ष उनकी 277वीं रैंक आई थी और आईआरएस सेवा मिली थी। उन्होंने बताया कि मैंने सबसे ज्यादा ध्यान उत्तर लिखने के तरीके पर दिया। जिन विषयों में कम अंक आए थे, उनका रिवीजन बढ़ा दिया था। जब तक प्रश्न हल नहीं हो जाता था, चाहे कितनी भी बार प्रयास क्यों न हो, मैं हल करने के बाद भी रुकता था। इसकी वजह जब प्रश्नपत्र में सवाल आए तो मुझे अनुमान था कि उनको लिखना किस तरह से है। पिछली बार पहला प्रयास होने की वजह से उत्तर लिखने का अनुमान भी कम था। उन्होंने ऑनलाइन कोचिंग के माध्यम से घर पर रहकर ही पढ़ाई की है। उन्होंने प्रतिदिन सात से आठ घंटे पढ़ाई की। उन्हें गिटार बजाने का शौक है ।

पापा मेरे प्रेरणास्रोत-मेरे पापा सुभाषचंद्र गंगवार मुरादाबाद में एसपी यातायात के पद पर कार्यरत हैं। वह मेरे प्रेरणास्रोत हैं। उनको देखकर ही मुझे यूपीएससी की परीक्षा में बैठने की प्रेरणा मिली। जब भी मैं उनसे इस बारे में चर्चा करता था तो वह हमेशा मेरा हौसला बढ़ाते हैं। मेरे पापा और मम्मी नीलिमा सिंह यही कहते हैं कि जो लक्ष्य तुमने ठाना है तो तुम अपनी मेहनत से उसे जरूर पा सकते हो। उन्होंने हमेशा परिणाम की चिंता न करने की सीख दी।चाय वाले के बेटे ने फिर रच दिया इतिहास, यूपीएससी में 152वीं रैंक हासिल की

चंदौसी की पंजाबी कॉलोनी के रहने वाले चाय वाले के बेटे देव डुडेजा ने यूपीएससी 2025 की परीक्षा में 152वीं रैंक प्राप्त कर इतिहास रच दिया। देव डुडेजा ने चौथी बार में पाई। तीसरी बार की वर्ष 2022-25 की परीक्षा में उन्होंने 327वीं रैंक हासिल की थी। उनका चयन भारतीय राजस्व सेवा आईआरएस में ज्वाइंट आयुक्त के लिए हुआ है और वह नागपुर में दिसंबर 2025 से पंद्रह माह की ट्रेनिंग कर रहे हैं।देव डुडेजा की इस सफलता पर परिवार और नाते-रिश्तेदारों में खुशी का माहौल है। घर पर बधाई देने वालों का आना जाना लगा हुआ है। देव डुडेजा के पिता इंद्रमोहन डुडेजा अपने दोनों बड़े भाई प्रेम डुडेजा और ब्रजमोहन डुडेजा के साथ एसएम डिग्री कॉलेज के सामने चाय की दुकान चलाते हैं। मां चंद्रप्रभा कंपोजिट विद्यालय ग्राम मई में सहायक अध्यापिका के पद पर कार्यरत हैं।भाई ने दिया हौसला...पहले ही प्रयास में पाई सफलता- मुरादाबाद के प्रेमनगर लाइनपार निवासी पीयूष मौर्य ने 889वीं रैंक हासिल की है। उनकी यह सफलता इसलिए भी खास है, क्योंकि यह उनका पहला प्रयास था। पीयूष ने बताया कि पिछले वर्ष उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र से स्नातक किया था। उन्होंने स्नातक के दूसरे साल में ही यूपीएससी की तैयारी शुरु कर दी थी।

पीयूष का कहना है कि स्नातक पढ़ाई के दौरान ही मैंने एनसीईआरटी की सभी किताबों को पढ़ लिया था। मैंने वैकल्पिक विषय भी दर्शनशास्त्र लिया था, उसे भी पहले ही पूरा कर लिया था। उन्होंने कहा कि शुरुआत में मैं प्रतिदिन आठ से नौ घंटे पढ़ाई करता था, लेकिन प्री और मेंस परीक्षा के दौरान मैंने दस से 12 घंटे पढ़ाई की। हालांकि कई बार ऐसा भी हुआ कि बीच में एक दो दिन पढ़ाई नहीं कर पाता था तो इस गैप को पूरा करने के लिए अतिरिक्त ध्यान देता था। स्नातक करने के बाद पूरी तरह से इसी में एकाग्रता से तैयारी शुरु कर दी। पीयूष ने बताया कि पहले ही प्रयास में सफल हो जाने से बहुत संतुष्टि मिली है। हालांकि रैंक सुधारने के लिए दोबारा परीक्षा देने के बारे में सोचूंगा, लेकिन अभी इस सफलता को जश्न अपने परिवार के साथ मनाना है। उनके पिता सोमपाल सिंह तहसील में रेवेन्यू इंस्पेक्टर हैं। मम्मी उर्मिला सिंह भी हमेशा मेरा हौसला बढ़ाती हैं।अंकित ने तीन बार पीसीएसएस उत्तीण की लगातार मेहनत करो तो एक-दो बार नहीं बल्कि चौथी बार अधिकारी बन सकते हैं। यह संभव किया है बुद्धि विहार निवासी अंकित कुमार सिंह ने। यूपीएससी के परिणाम में अंकित को 842 रैंक मिली है। उनके पिता सेवानिवृत्त एसडीओ (पीडब्ल्यूडी) जयगोपाल सिंह ने बताया कि एससी वर्ग की वजह से आईपीएस कैडर मिलने की संभावनाएं हैं। अंकित ने बताया कि पीसीएस के माध्यम से वर्ष 2019 में डिप्टी जेलर के पद पर चयन हुआ था। इसके बाद वर्ष 2020 में जिला समाज कल्याण अधिकारी के रूप में सफलता मिली। वर्ष 2021 में ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर के रूप में चयन हुआ। वर्तमान में वह जेवर के ब्लॉक डेवलपमेंट अधिकारी हैं। उन्होंने कहा कि 2019 में आईआईटी कानपुर से सिविल इंजीनियरिंग करने के बाद लगातार तीन बार पीसीएस की परीक्षा उत्तीर्ण की। तीन साल तक समाज कल्याण अधिकारी के रूप में किया। अंकित ने बताया कि मेरी पत्नी जोया सिंह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया दिल्ली में मैनेजर हैं। वह भी यूपीएससी की तैयारी कर रही हैं। नौकरी के साथ यूपीएससी की भी तैयारी कर रहा था। यह पांचवां प्रयास था और दूसरा साक्षात्कार था। पिछली बार वर्ष 2023 में आठ अंक से रह गए थे। इसलिए खंड विकास अधिकारी के लिए प्रतिनियुक्ति पर आया, ताकि दिल्ली के नजदीक रहकर पढ़ाई कर सकूं। नियमित रूप से चार से पांच घंटे नौकरी से समय निकालकर पढ़ाई की।जवाब में वास्तविकता रखने की रणनीति ने दिलाई सफलता- एलआईयू की सीओ आभा शर्मा के बेटे ऋषभ शर्मा की 116वीं रैंक आई है। ऋषभ का यह उनका दूसरा प्रयास था और साक्षात्कार पहला था। उन्होंने एनआईटी इलाहाबाद से बीटेक करने के बाद सिविल सेवा की तैयारी शुरु की। ऋषभ ने बताया कि पिछली बार प्रीलिम्स में उत्तीर्ण हो पाया था और इस बार तीनों चरणों में सफलता मिल गई। ऋषभ ने बताया कि वह अखबार की बड़ी खबरों से करेंट अफेयर्स के नोट्स बनाने में मदद लेते थे।

ऋषभ ने बताया कि मूलरूप से हम बरेली के रहने वाले हैं। मेरे पिता संजीव शर्मा एलआईसी में चीफ मैनेजर हैं, जबकि मम्मी आभा शर्मा एलआईयू में हैं। मैंने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को समाज से मिलने वाले सम्मान को देखा है। कॉलेज के वरिष्ठ साथी आईएएस बन चुके हैं। मैंने दो साल कॉरपोरेट सेक्टर में नौकरी की। तब अहसास हुआ कि मेरी क्षमताओं का सही उपयोग सिविल सेवा में हो सकता है, इसलिए मैंने प्रयास शुरु कर दिए। तकनीक का सही उपयोग करना सीखें- उन्होंने कहा कि युवाओं को सोशल मीडिया पर भ्रमित करने वाला कंटेंट भी है। ऐसे में एआई का सही तरह से उपयोग करना सीखें। पढ़ाई के साथ एक्स्ट्रा कैरिकुलम एक्टिविटी पर ध्यान दें। यह पूर्ण व्यक्तित्व विकास में सहायक होती हैं। उन्होंने कहा कि असफलता मिलने पर हमें अपने करीबी लोगों के पास रहना चाहिए। अभिभावक और दोस्त आपकी क्षमताओं के बारे में आपको याद दिलाते हैं। दूसरों की नजरों में अपने प्रति आत्मविश्वास देखने से सफलता की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इन्हीं चीजों ने मेरा हौसला बढ़ाने में काफी मदद की।लिखने की गति में किया सुधार, मांग के अनुरूप दिया जवाब...मिली सफलता- मूलरूप से स्वार के गांव दढ़ियाल फत्तावाला और वर्तमान में मानसरोवर कालोनी निवासी गरिमा सिंह की 240वीं रैंक आई है। उन्होंने बताया कि यह मेरा चौथा प्रयास था। पहले दो बार प्री उत्तीर्ण नहीं हो पाया था और पिछली बार साक्षात्कार दिया था। उन्होंने कहा कि अभी तक मेरी लिखने की गति धीमी थी। इसलिए जवाब लिखते हुए कुछ बिंदु छूट जाते थे। मैंने सबसे पहले लिखने की गति में सुधार किया। सवाल की मांग के अनुरूप जवाब लिखना सीखा। सामाजशास्त्र पर ज्यादा ध्यान दिया। निरंतरता में प्रतिदिन सात से आठ घंटे पढ़ती थी। शुरुआत में स्वाध्याय किया और बाद में कोचिंग की मदद ली। इसके बावजूद मैंने अपने नोट्स में खुद पढ़कर सुधार किया। मैं अखबार नियमित पढ़ती थी। जो भी अच्छा शब्द लगता तो उसे अपने नोट्स में जोड़ती थी ताकि जवाब लिखने में गुणवत्ता आए। जागरूक नागरिक बनने के लिए अखबार पढ़ना बहुत जरूरी है। गरिमा ने बताया कि मम्मी मनोज सिंह गृहिणी हैं। बड़े भैया हर्ष कुमार सिंह रक्षा मंत्रालय में एएसओ के रूप में कार्य कर रहे हैं। मैंने दो वर्ष तक यूपीएससी की तैयारी भैया और भाभी सुरभि चौहान के साथ रहकर की। वह हमेशा यही कहते थे कि तुम्हारे अंदर काबिलियत है कि तुम अपने लक्ष्य को हासिल कर सकती हो। परेशान मत होने के बजाय यह बताओ कि तुम्हारी सफलता के लिए हम क्या योगदान कर सकते हैं। जब भी निराश होती थी तो भतीजे ऋषिकेश के साथ समय बिताती थी।

संक्षिप्त समाचार

सोशल मीडिया पर छाया IPS कपल: बिश्नोई-अंशिका की शादी का कार्ड और तस्वीरें वायरल, साथ किया काम, अब लेंगे फेरे

संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई और बरेली की एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा जल्द शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। दोनों आईपीएस अफसरों का तीन दिवसीय विवाह समारोह 28 से 30 मार्च तक राजस्थान में होगा। इसकी चर्चा सोशल मीडिया पर जमकर हो रही है।यूपी पुलिस के दो तेजतर्रार आईपीएस अफसर जल्द ही जीवनसाथी बनने जा रहे हैं। संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई और बरेली में तैनात आईपीएस अंशिका वर्मा की शादी का कार्ड और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं। यूजर लगातार शादी पर चर्चा कर रहे हैं।राजस्थान के बाड़मेर निवासी और संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई का विवाह बरेली में एसपी दक्षिणी के पद पर तैनात आईपीएस अंशिका वर्मा से होने जा रहा है। दोनों आईपीएस अफसरों का तीन दिवसीय वैवाहिक समारोह 28 मार्च से शुरू होगा। कार्यक्रम के मुताबिक 28 मार्च को बाड़मेर स्थित कृष्ण निवास में बारात पहुंचेगी।इसके बाद 29 मार्च की सुबह विदाई का कार्यक्रम होगा। 30 मार्च को जोधपुर के एक रिसॉर्ट में भव्य रिसेप्शन आयोजित किया जाएगा। इसमें यूपी के कई नेता, प्रशासनिक और पुलिस सेवा के कई वरिष्ठ अधिकारियों के शामिल होने की संभावना है।संभल में अपनी सख्त कार्यशैली और तेजतर्रार फैसलों के कारण चर्चा में रहने वाले कृष्ण कुमार बिश्नोई 2018 बैच के आईपीएस और राजस्थान के बाड़मेर के मूल निवासी हैं। हाल ही में होली के दौरान उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था।अंशिका वर्मा 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं और मूल रूप से प्रयागराज की रहने वाली हैं। उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। वर्तमान में वह बरेली में एसपी दक्षिणी के रूप में तैनात हैं। इससे पहले वह गोरखपुर में एएसपी के पद पर कार्य कर चुकी हैं।दिलचस्प बात यह है कि दोनों अफसर पहले गोरखपुर में एक साथ काम कर चुके हैं। अब उनका रिश्ता शादी के बंधन में बदलने जा रहा है।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड मध्य प्रदेश, दिल्ली, बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर, जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

भूमि नामांतरण में अनियमितता पर पटवारी और सहायक ग्रेड-3 निलंबित

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी। भूमि नामांतरण प्रकरण में अनियमितता पाए जाने पर जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए सहायक ग्रेड-3 और एक पटवारी को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी को प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के आधार पर की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जरगंवा अब्बल की भूमि से संबंधित शिकायत की जांच डिप्टी कलेक्टर एस.डी. धाकड़ द्वारा की गई थी। जांच में सामने आया कि श्वेता पत्नी प्रदीप शर्मा द्वारा उक्त भूमि का विक्रय पत्र क्रमांक आर 130225 001 721 93 के माध्यम से उमेश पुत्र चतुर्भुज गुप्ता के पक्ष में विक्रय किया गया था। इस आधार पर नायब तहसीलदार ने प्रकरण क्रमांक 2503/2024-25/अ-6 में आदेश जारी कर उमेश गुप्ता के नाम नामांतरण स्वीकार किया और राजस्व अभिलेखों में उसका अमल भी कराया गया।जांच में बाद में यह भी पाया गया कि बिना पुनर्विलोकन की अनुमति लिए आरसीएमएस पोर्टल पर नामांतरण प्रविष्टि को विलोपित कर पूर्व स्वामी का नाम दोबारा दर्ज कर दिया गया, जो मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 के प्रावधानों के विरुद्ध है। इसके अलावा ग्राम जरगंवा अव्वल की शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 247 के मामले में भी बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के नया सर्वे नंबर बनाकर वेबजीआईएस आईडी के माध्यम से उन्हें सक्रिय और निष्क्रिय करने जैसी अनियमितताएं सामने आईं। मामले को देखते हुए वृत दिनारा तहसील करैरा के प्रभारी नायब तहसीलदार अशोक श्रीवास्तव को जिला कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा में कार्य संपादित करने के लिए निर्देशित किया गया है। वहीं मामले में प्रथम दृष्टया संलिप्तता पाए जाने पर लोकेन्द्र श्रीवास्तव, सहायक ग्रेड-3 (प्रवाचक) को म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कलेक्टर कार्यालय, शिवपुरी निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही जांच के आधार पर ब्रजेश यादव, पटवारी हल्का सेमरा तहसील करैरा को भी शासकीय भूमि संबंधी प्रकरणों में नियम विरुद्ध कार्रवाई पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

चोरों ने घर में घुसकर नकदी व जेवरात उड़ाए

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। इन दिनों जनपद में चोरों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। बीती रात अज्ञात चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवरात और नगदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी उस समय हुई जब घर का मालिक होली के बाद वापस अपने घर पहुंचा सूचना मिलने पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। मामला जनपद श्रावस्ती के गिलौला थाना क्षेत्र के ग्राम सिसवारा का है बताया जा रहा है कि ग्रह स्वामी होली के त्योहार पर अपने रिश्तेदारों के यहां गया हुआ था इसी दौरान सूने घर का फायदा उठाकर चोरों ने घर में घुसकर अलमारी में रखे लाखों रुपये के जेवरात और नगदी पार कर दी। जब परिवार के लोग घर वापस पहुंचे तो घर का सामान बिखरा पड़ा मिला और अलमारी में रखा कीमती सामान गायब था।

राप्ती नदी में नहाने के दौरान 4 बच्चे डूबे, 1 की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। मल्हीपुर थाना मल्हीपुर अंतर्गत ग्राम सेमरहनिया में राप्ती नदी में नहाने गए चार बच्चे डूब गए। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तीन बच्चों को सुरक्षित बचाया। जबकि एक बालिका का शव नदी किनारे से बरामद किया गया। थाना मल्हीपुर क्षेत्र के ग्राम सेमरहनिया निवासी उर्मिला (10) पुत्री शेरबाबू, अशिका (9) पुत्री खिलाड़ी, लक्ष्मन (12) पुत्र शेरबाबू व कुमकुम (8) पुत्री मनीष गांव के पास स्थित राप्ती नदी में नहाने गई थी। नहाते समय संतुलन खोने से सभी गहरे पानी में चले जाने से नदी में में डूबने लगे। पास में मौजूद घटवार मंगली ने बच्चों को डूबते देख नदी में छलांग लगा दी इस दौरान उसने उर्मिला, अशिखा व लक्ष्मन को बाहर निकाल लिया। इसमे से उर्मिला की हालत गम्भीर होने पर उसे निजी वाहन से संयुक्त जिला अस्पताल भिनगा पहुंचाया। वहीं नदी में तेज बहाव के कारण कुमकुम लापता हो गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय गोताखोर के सहयोग ने तलाश कराया। कुमकुम का शव घटनास्थल से तीन किलोमीटर दूर सोनवा थाना क्षेत्र के ग्राम भगवानपुर के पास राप्ती नदी किनारे रेत में आधी पटी हालत में बरामद किया। सूचना पर पहुंची थाना मल्हीपुर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर अंतिम संस्कार के लिए परिजनो को सौंप दिया है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग, केबिन में भर गया धुआं; अटक गईं सांसें

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को लेकर जा रहे हेलीकॉप्टर में उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आ गई, जिससे उसमें धुआं भर गया। पायलट ने तुरंत लखनऊ एयरपोर्ट पर आपात लैंडिंग कराई। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को एक बड़े हादसे से बाल-बाल बच गए।

उनके हेलीकॉप्टर में उड़ान भरने के कुछ ही सेकेंड बाद तकनीकी खराबी आ गई, जिसके चलते उसमें धुआं भरने लगा। स्थिति को देखते हुए पायलट ने तुरंत अमौसी एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग कराई ।डिप्टी सीएम को सुबह करीब 11=30 बजे कौशाम्बी पहुंचना था, जहां पार्टी पदाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक प्रस्तावित थी। इसके अलावा उन्हें विभिन्न विकास परियोजनाओं का निरीक्षण भी करना था। वह ला-माटीनियर ग्राउंड से हेलीकॉप्टर से रवाना हुए थे। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी के कारण हेलीकॉप्टर में धुआं फैलने लगा। पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत अमौसी एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग कराई। समय रहते हेलीकॉप्टर को उतार लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया। डिप्टी सीएम पूरी तरह सुरक्षित हैं। डिप्टी ष्टरू केशव प्रसाद मौर्य कौशांबी पहुंचे, उनके हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई थी और आज सुबह लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। उन्होंने कहा, हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई थी और हमें वापस लौटना पड़ा। फिर हमने दूसरा हेलीकॉप्टर लिया और अब यहां पहुंचे हैं।

शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर के विद्यार्थियों ने किया मां गढ़वतिया देवी धाम का शैक्षणिक भ्रमण, प्राचीन मूर्तियों और ऐतिहासिक स्थलों का किया अध्ययन

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर/ शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर, जिला सूरजपुर (छत्तीसगढ़) के बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं द्वारा मां गढ़वतिया देवी धाम का शैक्षणिक भ्रमण किया गया। यह शैक्षणिक भ्रमण महाविद्यालय के प्राचार्य श्री रंजीत कुमार सातपुते के निर्देशानुसार तथा इतिहास विभाग के प्राध्यापक श्री सचिन कुमार मिंज के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति (NEP-2020) के अंतर्गत इतिहास विषय के असाइनमेंट कार्य के लिए क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था।

भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं ने मां गढ़वतिया देवी धाम पहुंचकर वहां स्थित प्राचीन एवं ऐतिहासिक महत्व की मूर्तियों तथा शिल्पकला का बारीकी से अध्ययन किया। विद्यार्थियों ने विशेष रूप से मां महिषासुर मर्दिनी की अष्टभुजी प्रतिमा का सूक्ष्म अवलोकन किया और उसकी संरचना, शिल्पकला तथा धार्मिक महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में बिखरी हुई खंडित मूर्तियों, पत्थरों के बीच बने मानव निर्मित गड्ढों, खंडित पाषाणों तथा पत्थरों पर उकेरी गई अन्य देवी-देवताओं की प्राचीन आकृतियों के बारे में भी अध्ययन किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को स्थानीय इतिहास, धार्मिक आस्था तथा क्षेत्रीय परंपराओं के बारे में भी जानकारी दी गई। महुली के वरिष्ठ पत्रकार पप्पू जायसवाल एवं अशोक जायसवाल ने विद्यार्थियों को मां गढ़वतिया देवी धाम के इतिहास, धार्मिक महत्व तथा यहां पाए जाने वाले प्राचीन अवशेषों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि यह स्थल न केवल क्षेत्रवासियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है बल्कि यहां मौजूद प्राचीन मूर्तियां और पत्थरों पर की गई नक्काशी इस क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी दर्शाती हैं।

इतिहास विभाग के प्राध्यापक श्री सचिन कुमार मिंज ने विद्यार्थियों को बताया कि शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य केवल पुस्तक आधारित ज्ञान तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों को ऐतिहासिक स्थलों का प्रत्यक्ष अनुभव कराना है, ताकि वे प्राचीन इतिहास, संस्कृति और कला को नजदीक से समझ सकें। उन्होंने विद्यार्थियों को स्थल से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्यों को नोट करने तथा अपने असाइनमेंट में शामिल करने के निर्देश भी दिए।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक स्थल का अवलोकन किया और विभिन्न ऐतिहासिक तथ्यों को समझते हुए महत्वपूर्ण जानकारी संकलित की। विद्यार्थियों ने इस भ्रमण को अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बताया तथा कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से उन्हें इतिहास को समझने का व्यावहारिक अवसर मिलता है।

महाविद्यालय प्रशासन द्वारा भी इस प्रकार की गतिविधियों को विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया गया और भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक भ्रमण आयोजित करने की बात कही गई।

इस शैक्षणिक भ्रमण में रामनिवाज ,अनिल,सिरममता, प्रीति, प्रतिभा साहु, प्रतिभा मांझी, शांति बैस आदि छात्र-छात्रायें सम्मिलित रहे।

Bharat Sanchar Nigam Limited की बदहाल सेवा से लूल्ह में संचार आपात स्थिति, पहाड़ी अंचल में डिजिटल अंधकार

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहरपुर। सूरजपुर जिले के अत्यंत दूरस्थ और पहाड़ी क्षेत्र चांदनी बिहरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत खोहीर के आश्रित ग्राम लूल्ह में बीएसएनएल की लचर व्यवस्था ने संचार संकट खड़ा कर दिया है। गांव में स्थापित टावर होने के बावजूद मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवा पूरी तरह चरमरा गई है, जिससे ग्रामीणों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। टावर लगा, लेकिन सेवा गायब- ग्रामीणों का कहना है कि कई दिनों से कॉल कनेक्ट नहीं हो रही है। नेटवर्क सिग्नल नाम मात्र का रहता है और इंटरनेट सेवा पूरी तरह ठप है। लोगों को जरूरी कॉल करने के लिए गांव से बाहर पहाड़ी पर चढ़ना पड़ता है। टावर सिर्फ शोपीस बनकर रह गया है, ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा। शिक्षा, बैंकिंग और योजनाएं प्रभावित डिजिटल युग में जहां पढ़ाई, बैंकिंग और शासकीय योजनाएं ऑनलाइन माध्यम से संचालित हो रही हैं, वहीं लूल्ह के विद्यार्थी ऑनलाइन कक्षाओं से वंचित हैं। किसानों का ऑनलाइन पंजीयन प्रभावित आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड व अन्य योजनाओं की प्रक्रिया बाधित बैंकिंग व लेनदेन कार्यों में दिक्कत - मीणों का कहना है कि नेटवर्क समस्या के कारण वे शासन की कई योजनाओं का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं।

ग्रामीणों की मांग:

- टावर की तकनीकी जांच
- उपकरणों का उन्नयन
- 24म7 स्थायी नेटवर्क सुविधा
- नयमित मॉनिटरिं

आपातकाल में जान का खतरा- सबसे बड़ी चिंता आपातकालीन स्थिति को लेकर है। बीमार मरीजों के लिए एंबुलेंस बुलाना या अस्पताल से संपर्क करना मुश्किल हो जाता है। कई बार नेटवर्क के अभाव में समय पर मदद नहीं मिल पाती, जिससे गंभीर खतरा बना रहता है।

प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से गुहार- ग्रामीणों ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। तकनीकी टीम कभी-कभार पहुंचती है, लेकिन सुधार अस्थायी ही साबित होता है।

अब ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द नेटवर्क सेवा दुरुस्त नहीं हुई तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करेंगे और जिला मुख्यालय में ज्ञापन सौंपेंगे। डिजिटल इंडिया के दावों पर सवाल- एक ओर सरकार गांव-गांव डिजिटल कनेक्टिविटी का दावा कर रही है, वहीं लूल्ह जैसे पहाड़ी गांवों में बुनियादी संचार सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। टावर होने के बावजूद नेटवर्क न मिलना, व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

5 से 7 साल से फरार 4 स्थायी वारंटी गिरफ्तार, शिवपुरी SP की बड़ी कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / शिवपुरी। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में शिवपुरी पुलिस द्वारा फरार आरोपियों और स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की गई है। चौकी अमोलपठा थाना अमोला पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे चार स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय करैरा में पेश किया। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले और एसडीओपी करैरा आयुष जाखड़ के मार्गदर्शन में की गई।

पुलिस के अनुसार न्यायालय करैरा के प्रकरण क्रमांक 505/19 में स्थायी वारंटी कल्लू उर्फ मोहरसिंह आदिवासी (35 वर्ष), मुकेश आदिवासी (37 वर्ष) और ब्रिजेन्द्र उर्फ बरजोर आदिवासी (24 वर्ष) निवासी ग्राम थरखेडा लंबे समय से फरार चल रहे थे। इसके अलावा प्रकरण क्रमांक RCT 1061/21 के स्थायी वारंटी सुरेश पुत्र दिल्लू वंशकार (57 वर्ष) निवासी ग्राम थरखेडा थाना अमोला को भी गिरफ्तार किया गया। ये सभी आरोपी करीब 5 से 7 वर्षों से न्यायालय द्वारा जारी वारंट से बचते हुए फरार चल रहे थे।

चौकी अमोलपठा थाना अमोला पुलिस ने 7 मार्च 2026 को सभी वारंटियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय करैरा के समक्ष पेश किया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी अमोला अंशुल गुप्ता, चौकी प्रभारी अमोलपठा अभिमन्यु राजावत, प्रधान आरक्षक शेरसिंह गौर, आरक्षक प्रदीप कुमार, भगवान सिंह, राहुल कुमार और सुनील रावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

सड़क दुर्घटना में 1 की मौत, 2 की हालत नाजुक

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। गिलौला थाना गिलौला अंतर्गत गिलौला-खुटेहना मार्ग पर गोबारी के निकट अज्ञात वाहन ने बाइक सवारो को टक्कर मार दी इस दुर्घटना में बाइक सवार कुन्ने (30) वर्ष की मौत हो गई जबकी बाइक सवार दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका मेडिकल कॉलेज बहराइच में इलाज चल रहा है। थाना गिलौला क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भिखारीपुर मसढ़ी निवासी कुन्ने जम्मू कश्मीर में रहकर मजदूरी का कार्य करते थे। वह अपने घर वापस आ रहे थे बहराइच के योगेंद्रधाम रेलवे स्टेशन पर उतरकर उन्होंने अपने बड़े भाई प्रहलाद को फोन कर किसी को बाइक से रेलवे स्टेशन भेजने के लिए कहा इस पर प्रहलाद ने अपने पुत्र ओम (20) को बाइक से भेज दिया। रेलवे स्टेशन से एक ही बाइक पर ओम, कुन्ने व गांव का ही एक व्यक्ति खुड़भुड़ (32) वर्ष सवार थे। गिलौला-खुटेहना मार्ग पर ग्राम गोबारि के निकट बाइक सामने से आ रहे किसी वाहन से टकरा गई जिससे बाइक सवार तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने एंबुलेंस से सभी घायलों को गिलौला सीएचसी पहुंचाया जहां पर मौजूद चिकित्सकों ने कुन्ने को मृत घोषित कर दिया। वहीं ओम व खुड़भुड़ की हालत गंभीर होने से चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया।

सुपरवाइजर की पिटाई से मजदूर की इलाज की दौरान मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती-इकौना- पानी टंकी निर्माण में काम करने वाले एक मजदूर की सुपरवाइजर ने 22 फरवरी को पिटाई कर दी थी जिसका इलाज ट्रामा सेन्टर लखनऊ में चल रहा था चिकित्सकों के जवाब देने पर घायल मजदूर को घर लाया गया जहां उसकी मौत हो गई। इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम भगवानपुर बनकट पोखरा निवासी राम कुमार (55) वर्ष पुत्र छेदी बलरामपुर जिले के थाना श्रीदत्तगंज क्षेत्र स्थित ग्राम भेदपुर अहिरौला में पानी टंकी निर्माण कार्य मजदूरी कर रहा था। 22 फरवरी को निर्माण कार्य की देख रेख रहे सुपरवाइजर इरशाद ने किसी बात पर राम कुमार की पिटाई कर दी थी। साथ ही अगले दिर 23 फरवरी को घायल अवस्था में मजदूर को उसके घर भगवानपुर बनकट पोखरा भिजवा दिया। परिजनों की ओर से उसी दिन घायल को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। जहां से उसे मेडिकल कालेज बहराइच फिर ट्रामा सेन्टर लखनऊ रेफर कर दिया गया। वहीं पुत्र की तहरीर पर श्रीदत्तगंज थाने में आरोपित इरशाद के विरुद्ध मारपीट, गैर इरादतन हत्या आदि का मुकदमा दर्ज कराया गया था। इधर ट्रामा सेन्टर से मजदूर राम कुमार को घर भेज दिया गया। घर पर उसकी मौत हो गई। पुत्र संजय की तहरीर पर इकौना पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

CM योगी का मथुरा दौरा: मुख्यमंत्री ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि में किए दर्शन, प्रदेश की खुशहाली के लिए प्रार्थना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को मथुरा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर में दर्शन किए। पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की मांग की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कान्हा की नगरी मथुरा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए और विधिवत पूजन-अर्चन कर श्रद्धा निवेदित की। ब्रज की पावन धरा से प्रदेशवासियों के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।दर्शन के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रज भूमि का कण-कण ऊर्जा और भक्ति से भरा है। प्रभु श्रीकृष्ण के चरणों में शीश नवाकर मन को असीम शांति की अनुभूति होती है। उन्होंने प्रार्थना की कि भगवान का आशीर्वाद प्रदेश के प्रत्येक नागरिक पर बना रहे। उत्तर प्रदेश निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छुए

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Is your child getting enough sleep? Learn how much sleep is necessary based on their age.

According to the National Sleep Foundation, many children, especially younger ones, don't get enough sleep, which impacts the entire family. Sleep is crucial for children's physical and mental development. Many children don't get enough sleep for their age. Many parents often worry that their children aren't getting enough sleep. Others are concerned that their children sleep too much. We all know that good sleep is essential for staying healthy. This raises the question: what exactly constitutes adequate sleep for children? The answer may be beyond your imagination. In this article, we'll explore how much sleep a child needs at each age. Is your child getting enough sleep? Sleep isn't just for relieving fatigue, it's also crucial for children's mental and physical development. According to the National Sleep Foundation (NSF), children require varying hours of sleep depending on their age. However, a new survey conducted in the United States reveals that approximately 44% of children, especially younger children, are not getting enough sleep for their age. Sleep isn't just a problem for one child, it's a problem for the entire family. Childhood sleep determines a child's physical and mental health as they grow older. Dr. Laura Stearney of Johns Hopkins University also agrees that poor sleep impacts the entire family. 80% of parents surveyed admitted that their child's sleep deprivation disrupts their own sleep and routine. Meanwhile, 86% believe that good sleep improves both their child's mood and behavior. Why are children having sleep problems? More stress, less sleep: 74% of parents spend an average of two hours daily worrying about whether their child is sleeping well. Miscalculation of sleep: Parents often assume their child needs less sleep. Especially with babies between 0 and 3 months, 78% make this mistake, sleeping an hour less than necessary. Lack of communication: Parents are concerned about their children's sleep, but they never discuss with them why good sleep is important. How to instill good sleep habits in children? Don't just set a time for turning off the lights, but establish a bedtime routine. Such as dimming the room, drawing the curtains, or telling a story. This signals to the child's brain that it's time to sleep. Turn off the TV, mobile phone, or video games completely before bed. Instead, listen to calming music or read books. Expose your child to natural light (sunlight) as soon as they wake up. This sets the body's biological clock (circadian rhythm). Allow children to play and play throughout the day, but avoid heavy exercise or jumping just before bed.

Modern in appearance, but same old thinking? Survey reveals 33% of Gen-Z men want an obedient wife

According to a global survey, Gen-Z men are more conservative than previous generations. 33% of Gen-Z men want an obedient wife. Husbands have the final say in household decisions - Youth fear losing social status. We generally believe that the generation born after 1997, known as Gen-Z, is the most modern and open-minded generation ever. However, a recent large global survey has completely overturned this notion. This study was conducted by Ipsos in partnership with the Global Institute for Women's Leadership at King's College London, on 23,000 people from 29 countries around the world. You may be surprised to learn that today's young men are harboring more conservative and outdated thinking than their grandparents' generation. What do young people think about decisions related to their wives and the home? Survey data shows that young people's thinking about important decisions in marital life and the home is lagging behind that of older generations: Desire for an obedient wife: Nearly 33% of Gen-Z men want their wives to be obedient and obey their every command. "The wife should obey everything and the husband's rule should prevail in the home" - One in three young men (33%) also believe that the husband should have the final say on major household decisions. Comparison with the older generation: Surprisingly, only 13% of men in the "Baby Boomer" generation (born between 1946 and 1964) held this view. Girls' opinions: Not just boys, but 18% of Gen-Z girls also believe that a wife should always obey her husband. Young people are trapping themselves in old patterns - Experts have expressed deep concern over the results of this survey. Heejung Chung, director of the Global Institute for Women's Leadership, says that young people are actually afraid of losing their "social status." They feel that gender equality is harming them. Meanwhile, former Australian Prime Minister Julia Gillard called these statistics worrying, saying that today's young men are not only imposing restrictions on women, but are also being strict with themselves, confining themselves to an outdated mold.

India ranks second in childhood obesity, a new report reveals alarming figures.

According to the World Obesity Atlas 2026 report, India ranks second in the world for childhood obesity, after China. India ranks second in the world for childhood obesity, with 41 million children overweight and 14 million severely obese. Lack of physical activity and sugary drinks are increasing the risk of obesity. Obesity remains a global concern. Meanwhile, a new report from the "World Obesity Atlas 2026" has recently been released, with figures that should alarm every parent. This report reveals that childhood weight gain is now becoming a serious disease. Obesity in India: The report reveals that India now ranks second in the world, after China, in terms of children with high BMI. Approximately 41 million children in India are overweight, of which 14 million are severely obese. The report also revealed that in 2025, approximately 15 million children aged 5 to 9 and over 26 million children aged 10 to 19 in India will be overweight. If obesity in children is not curbed, they will suffer from diseases that typically affect the elderly: Fatty liver (MASLD): This is the most common risk. Its cases could rise from 8.3 million to 11.8 million. Heart disease (high triglycerides): The number of patients with this condition could rise from 4.3 million to 6 million. High blood pressure (High BP): Its cases are expected to rise from 2.9 million to 4.2 million. Risk of diabetes (hyperglycemia): Its cases could rise from 1.3 million to 1.9 million. Why is obesity so rampant among children? The report highlights some deficiencies that have become a part of our daily lives and are contributing to weight gain: Lack of physical activity: 74% of children aged 11 to 17 don't sweat or play sports enough for their bodies. Sugary beverage consumption: Children aged 6 to 10 drink an average of 50 ml of sugary beverages (cold drinks/juices) daily. Other causes: Lack of adequate breast milk for children in the early months and pre-existing obesity and diabetes in mothers are major causes. How to control obesity? Experts believe that India still has a chance to curb childhood obesity. Adopting some effective methods can reduce this rapid weight gain. Significant changes are necessary in eating habits, physical activity patterns, and food industry regulations. Otherwise, India could face a major epidemic of obesity-related diseases in the coming decades.

Govinda compared himself to Rajesh Khanna, saying, "No one is perfect, Aamir got a bad name..."

Govinda spoke openly about his personal life controversies. He said that no one is spotless in the film industry and everyone has to face bad reputations. Govinda cited the examples of Amitabh Bachchan and Rajesh Khanna, who went through difficult times in their careers. He also mentioned Aamir Khan, whose image was previously tarnished. Govinda said, "No one is spotless in the film industry. Amitabh Bachchan and Rajesh Khanna's careers also faced ups and downs, and he also gave the example of Aamir Khan." Bollywood actor Govinda's personal life has been in the headlines for a long time. There has been a lot of discussion about his personal relationships. The actor has not done any films in the last six years. However, he has appeared as a guest on some reality TV shows. His personal life has been a subject of controversy several times. Now, in an interview with Siddharth Kannan, Govinda said that he is not the only actor whose name has been surrounded by controversies. There are many actors who have been embroiled in controversies. Everyone in the industry has a bad name - Govinda - During the conversation, Govinda said, "Whose name is spotless in this industry? Even if someone is spotless, they must be dangerous. If someone receives excessive love, people are bound to fear them. It can be based on qualities, such as being punctual or having a good heart, otherwise... their name is bound to be tarnished." Amitabh Bachchan also stayed away from films - He further said, "Sometimes things get out of hand. In this film industry, everyone is shown the door at some point and has to face infamy. Take the legendary Amitabh Bachchan; he was the ideal actor of the film industry, wasn't he? Yet he stayed away from films for 14-15 years. Why? Did he not show up on time for shooting? Look at Rajesh Khanna. In the middle of his career, a whole group of people were saying, 'No, this is not right, this is wrong, he looks strange.''' Again, why? It's a phase you have to go through. How you get out of it is the real game." Citing the example of Aamir Khan, Govinda said that he initially had a bad image, but then everything improved after being called a "perfectionist." Govinda's wife, Sunita Ahuja, often makes strange statements about him. She claims that Govinda is having an extramarital affair. Some time ago, there were reports of their divorce. Although neither has made a public statement, their lawyer clarified that Sunita filed for divorce six months ago, but they have now reconciled. The two were seen together on Ganesh Chaturthi, proving that everything is fine between them.

Pankaj Tripathi's wife Mridula played a major role in making him the king of OTT. 'Kaaleen Bhaiya's' love story is no less than a film.

Bollywood's renowned actor Pankaj Tripathi has amazed us with his brilliant acting. But how he won the heart of his wife Mridula is one of the greatest love stories. Not only this, but his wife Mridula also supported him financially during his struggle to become an actor. Pankaj Tripathi was financially supported by his wife; they waited for each other for 12 years - Pankaj Tripathi and Mridula's love story is no less than a film. Today, Pankaj Tripathi has become a well-known name and face in Bollywood. Especially since the advent of OTT, Pankaj Tripathi's fame has only grown. From Gangs of Wasseypur, Stree, to Mirzapur, Pankaj Tripathi has proved his acting prowess in every film and series. His wife's support: Pankaj Tripathi's hard work is behind his immense success, but another force that always supported him and helped him fulfill his dreams was his wife. After marriage, his wife told him, "I'll earn, you focus on your acting." Pankaj and Mridula's love story is filmy. There are some couples in the entertainment world who may not share their personal lives, but they have always instilled our faith in love and marriage. One such couple is Pankaj Tripathi and his beautiful wife, Mridula. Pankaj, who rose to fame with his role as the villain "Sultan Qureshi" in Gangs of Wasseypur, is one of the finest actors in Indian cinema. A graduate of NSD, Pankaj Tripathi made his Bollywood debut in 2004 with small roles in the films Run and Omkara. However, despite all the struggles and ups and downs in his career, the only constant in Pankaj's life is his wife, Mridula. Their love story is no less than a Bollywood movie, and you'll fall in love with them. Pankaj first met Mridula at a wedding when she was in the ninth grade and he was in the eleventh. It was love at first sight, and Pankaj vividly remembers the moment he fell in love with her. In an interview, Pankaj revealed that he fell in love with Mridula at his sister's wedding in 1993. Mridula spoke about her first meeting with Pankaj, saying, "It was my elder brother's Tilak (engagement ceremony). I was going into a small room on the terrace to get dressed when a boy with hazel eyes, brown hair, and a beard passed by. Those eyes followed me throughout the event." When Pankaj found a groom for Mridula: Eight years after Pankaj and Mridula first met, her father began searching for the perfect groom for her. And it was Pankaj who accompanied Mridula's brother to meet the groom. When Pankaj returned, he told Mridula that this was a perfect match for her and she would live a happy life. This was the moment when Mridula realized something precious was missing from her life. At that time, Pankaj had enrolled in the National School of Drama (NSD), and Mridula had planned to break off the marriage proposal. After breaking off the marriage proposal, Mridula wanted to tell Pankaj this, but it was difficult at the time because he was in Delhi and she was in Kolkata. They dated for 12 years—after waiting for months, Pankaj called Mridula on December 24th, a day before her birthday, and they began dating. Despite living miles apart, they kept their love alive through love letters once every 10 days and phone calls scheduled at 8 p.m. Pankaj and Mridula dated for 12 years. After convincing their families, the couple married on January 15, 2004. After marriage, they moved to Mumbai and in 2006, they had a daughter, whom they named Aashi Tripathi. Mridula provided financial support. While Pankaj was pursuing his dream of becoming an actor, it was Mridula who happily became the head of the household and worked as a school teacher to support the family. Pankaj often credits his wife for his success today. In an interview, Pankaj Tripathi was asked about his wife, Mridula Tripathi, who financially supported him and his dream of becoming an actor for 10 years and never asked him to change his field. Pankaj said, "I could cry while answering this question. Usually, a husband and a wife live in a house. I have two wives in my house: one is mine, and I am her wife." I don't know, maybe she'll trust me after seeing my honesty. I'm a very honest actor. She was closest to me, and if she saw me, she would have realized that if this guy is so honest and so dedicated to his craft, then someday good days will come. Times will change. Pankaj Tripathi has worked in films and series like Mirzapur, Metro In Dino, Murder Mubarak, Sacred Games, Mimi, Agneepath, Criminal Justice, Gangs of Wasseypur, Gunjan Saxena.

Rani Mukerji loses OMG 3? Makers looking for a second lead actress for Akshay Kumar

National Award-winning actress Rani Mukerji will no longer be seen opposite Akshay Kumar in "Oh My God 3." It was previously reported that she would play the main villain in the film, while Akshay would make a cameo. However, Rani is no longer a part of the project. Rani Mukerji is no longer a part of OMG 3. Makers are looking for a new lead actress - Akshay Kumar will make a cameo in the film. Recently, news broke that National Award-winning actress Rani Mukerji would soon be seen in a film with Akshay Kumar. It was being said that the two might appear in "Oh My God" (OMG 3). Fans were eager to see them together, as this movie was supposed to be their first time together. However, recent news is a bit surprising. Akshay Kumar will make a cameo - Rani Mukerji is reportedly not a part of the project. According to a report in Variety India, Rani Mukerji was supposed to play the lead villain in "OMG 3." Akshay Kumar was set to make a cameo appearance in the film, as before. The actress also liked the story, and further discussions were to take place. The source further added, "Akshay and Rani have a long-standing relationship and were really excited to work together, but these were very preliminary discussions. Now that Rani is no longer a part of the project, the makers are looking for a new face." Shooting is expected to begin in May and June of this year. How was Mardaani 3's collection? Rani Mukerji was last seen in Mardaani 3, which released on January 30th. The film had a slow start at the box office, grossing only ?4 crore on its first day. The film was directed by Abhiraj Minawala and produced by Aditya Chopra. The film had two previous installments in 2019 and 2014. The film starred Janaki Bodiwala, Jisshu Sengupta, Mikhail Yawalkar, Indranil Bhattacharya, and Prajesh Kashyap. Mallika Prasad played the role of the villain.